



दिल्ली पुलिस समाचार

अंक-141 अप्रैल-जून, 2022

पंजी० सं० आर-43037/85

दिल्ली पुलिस की त्रैमासिक आंतरिक पत्रिका



नारी शक्ति में अद्भुत प्रतिभाएँ समाहित होती हैं...



ये पदोन्नतियाँ आपकी सुदृढ़ कार्यकुशलता के लिए प्रेरणास्रोत हैं, नागरिकों की समस्या का समाधान कर उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरें

—पुलिस आयुक्त, श्री राकेश अस्थाना

साथियों, जैसा कि आप हम जानते हैं कि दिल्ली पुलिस का काम विविधताओं से परिपूर्ण होता है। आज समाज में पुलिस का काम केवल कानून—व्यवस्था कायम करने तक सीमित नहीं है अपितु नागरिकों के बीच एक रक्षक, दोस्त, हितैषी व मार्गदर्शक की छवि बनाए रखना भी आवश्यक है। यह कोई साधारण काम नहीं बल्कि एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। दिल्ली पुलिस ने अपनी व्यावसायिकता में आधुनिकता एवं तकनीक का समावेश करते हुए नागरिकों के बीच एक विश्वसनीय दोस्त बनने में कामयाबी पाई है। इस पुलिस—पब्लिक संबंध को और अधिक मजबूत बनाए रखने के लिए प्रत्येक पुलिस अधिकारी एवं कर्मियों को अपनी क्षमता का शत—प्रतिशत देना चाहिए। अभी हाल में पुलिस प्रशासन के अथक प्रयासों द्वारा हजारों पुलिसकर्मियों को पदोन्नति मिली है। ये पदोन्नतियाँ आपको विभागीय और पारिवारिक खुशी के साथ—साथ संतोष की अनुभूति भी कराएंगी। इसीलिए आपसे भी अपेक्षा है कि आप नागरिकों की सेवा में और अधिक समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस में पहली बार एक साथ 124 पुलिसकर्मियों को उनके साहसिक कार्यों के लिए बारी से पहले पदोन्नत किया गया है। मैं, पुलिस प्रशासन के उन सभी अधिकारियों एवं कर्मियों की भी प्रशंसा करता हूँ जिनकी दिन—रात की कड़ी मेहनत से हजारों पुलिसकर्मियों को पदोन्नति का लाभ मिला है।

साथियों, मुझे खुशी है कि दिल्ली पुलिस की सभी जिला/यूनिटों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मियों ने अपने—अपने दायित्वों को शानदार तरीके से निभाया है। इसमें कई खूंखार/ईनामी बदमाशों को गिरफ्तार करने, संगीन व घृणित अपराधों को सुलझाने, साइबर अपराध के मामलों को सुलझाने में सफलता, अवैध मादक द्रव्यों और अवैध हथियारों की बरामदगी, साइबर अपराध, महिला सशक्तिकरण व युवा 2.0 पहल सहित अन्य योजनाओं के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने में बेहतर सफलता अर्जित की है। मैं इस बात का विशेषतौर पर उल्लेख करना चाहूँगा कि 30 मई को दिल्ली में अचानक आई भंयकर आंधी व वर्षा से सड़कों पर बड़े—बड़े पेड़ गिरने से यातायात अवरोधित हो गया था। मैं प्रशंसा करना चाहूँगा उन सभी यातायात कर्मियों तथा स्थानीय पुलिसकर्मियों की जिन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रयासों से सड़कों पर गिरे सैकड़ों वृक्षों को हटाकर यातायात का सुचारु संचालन किया। 14 जून को “वर्ल्ड ब्लड डोनर डे” के अवसर पर दिल्ली पुलिस द्वारा आयोजित मेगा रक्तदान शिविर में स्वैच्छिक रूप से रक्तदान करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों की सराहना करता हूँ कि इस जीवनदायिनी पहल से दिल्ली पुलिस ने जनहित में एक और शानदार कल्याणार्थ कदम उठाया है।

दिल्ली पुलिस महिलाओं/छात्राओं की सुरक्षा के प्रति केवल प्रतिबद्धता की बात नहीं करती बल्कि जमीनी स्तर पर काम करते हुए लाखों महिलाओं/छात्राओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण देकर निरंतर सबल बना रही है। इसी दिशा में “सशक्त” द्वारा लाखों महिलाओं तथा स्कूल व कॉलेज की छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया है। पिछले दिनों शुरू हुई आशीर्वाद, स्मार्ट एल्डर, पब्लिक लाइब्रेरी, पिक बूथ जैसी योजनाएँ भी पुलिस व जनता के बीच मधुर संबंध स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएंगी। साथियों, ऐसा कदम नहीं होना चाहिए कि अपनी नई योजनाओं को क्रियान्वित करते हुए हम अपनी पुरानी जनहित योजनाओं को भूल जाएं। उनमें सुधार कर उन्हें और प्रभावी बनाया जाना चाहिए।

साथियों, आज सोशल मीडिया का युग है। सूचनाओं के आदान—प्रदान में व परस्पर जोड़ने में सोशल मीडिया एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। किसी भी व्यक्ति, संस्था या विभाग को लोकप्रिय बनाने में भी सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम है। इसीलिए सोशल मीडिया का अधिकतम सदुपयोग करते हुए अपनी बात को नागरिकों तक पहुंचाने का प्रयास करें और सोशल मीडिया पर चल रही किसी भी भ्रामक और गलत सूचना का डटकर विरोध करें। सोशल मीडिया का उपयोग हमें बहुत सावधानी से करना चाहिए तथा जहां आवश्यकता नहीं है वहां केवल दृष्टा भाव से रहकर किसी वाद—विवाद में नहीं पड़ना चाहिए। मुझे इस बात का संतोष है कि, दिल्ली पुलिस अपनी ऑनलाइन सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने में कामयाब हुई है और जिसके सार्थक परिणाम सामने आए हैं।

पिछले दिनों दिल्ली पुलिस के अस्तित्व में आए “कल्याण विभाग” ने आपके हितार्थ अनेकों योजनाओं को शुरू किया है। कल्याण विभाग द्वारा आयोजित “परहित—यानि दूसरों का हित” कार्यक्रम में कई संस्थाओं व अकादमियों के माध्यम से कोरोना काल में दिवंगत हुए 42 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 3—3 लाख रुपये की अनुदान राशि, सेवारत और सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के लिए डिजिटल लॉकर की शुरुआत, देश की अग्रणीय कोचिंग संस्थाओं की मदद से पुलिसकर्मियों के बच्चों को रियायती दरों पर कोचिंग एवं अन्य पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही कल्याण विभाग से यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि किसी भी सेवारत एवं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी या कर्म के देहांत पर उसकी अंत्येष्टि में उसके विभाग की तरफ से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी या कर्म अवश्य सम्मिलित हों। मैं, यह भी कहना चाहूँगा सेवारत पुलिस अधिकारी या कर्म तो अपनी स्थिति या क्षमता के अनुसार अपनी समस्याओं से निपट लेते हैं परन्तु सेवानिवृत्ति के बाद विभाग अपने सेवानिवृत्त साथियों की तरफ ध्यान देना छोड़ देता है या फिर अनदेखी हो जाती है। जिस पुलिस अधिकारी या कर्म ने पुलिस सेवा करते हुए समाज व राष्ट्र को अपने जीवन के सबसे बहुमूल्य वर्ष दिये हैं, निवृत्ति के बाद उनका अधिकार बनता है कि, उनका सम्मान अवरल बना रहे, सेवारत पुलिसकर्मियों उनका ध्यान रखें।

साथियों, मैं आप सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को पुनः विश्वास दिलाना चाहूँगा कि, निर्भय होकर कानूनसम्मत अपने कर्तव्यों का पालन करें, पुलिस प्रशासन आपके साथ है। किसी भी प्रकार की समस्या के निवारण हेतु अपने वरिष्ठ अधिकारियों से मिल सकते हैं, यदि आप संतुष्ट नहीं हैं तो निसंकोच आपन हाउस में मिल कर अपनी समस्या रख सकते हैं। आपकी समस्या का यथासंभव निवारण करने का प्रयास किया जाएगा। परन्तु आप ड्यूटी पर है या नहीं है किसी भी प्रकार के ऐसे कार्य में संलिप्त पाये जाते हैं जिससे विभाग की छवि खराब होती है तो निःसंदेह है आपके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी।

दिल्ली के नए उप-राज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना को पुलिस परिवार की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री विनय कुमार सक्सेना ने 26 मई, 2022 को दिल्ली के 22वें उपराज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण किया। श्री विनय कुमार सक्सेना (63), कॉर्पोरेट और सामाजिक क्षेत्रों में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखते हैं और इस तरह उपराज्यपाल पद के लिए चुने गए पहले कॉर्पोरेट व्यक्ति हैं। विलक्षण प्रतिभा के धनी श्री विनय कुमार सक्सेना के अपने दो बार के लगातार कार्यकाल में खादी को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए जाना जाता है।



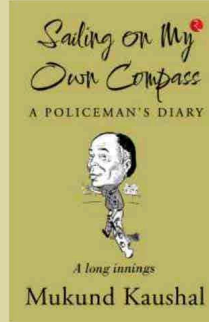
दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में नियुक्ति से पूर्व श्री सक्सेना ने अक्टूबर 2005 से मई 2022 तक खादी और ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष के रूप में सफलतापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन किया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग में काम करते हुए श्री सक्सेना ग्रामोद्योग क्षेत्र में विविधता लाये, वैज्ञानिक तकनीकों को और कई नई योजनाओं को लागू किया। परिणामस्वरूप, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कारोबार में भारी वृद्धि हुई, जबकि 7 वर्षों से भी कम समय में बड़े पैमाने पर 40 लाख नए रोजगार सृजित हुए। श्री सक्सेना के कार्यकाल के दौरान खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पहली बार 2021-2022 में 1.15 लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक कारोबार किया, जो भारत में अब तक खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा अन्य किसी भी एफएमसीजी कंपनी द्वारा सबसे अधिक है।

उत्तर प्रदेश के एक शिक्षित और प्रतिष्ठित परिवार में जन्में, श्री सक्सेना ने 1981 में कानपुर विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और फिर पायलट लाइसेंस प्राप्त किया। श्री सक्सेना की तकनीकी, कानूनी सामाजिक और सांस्कृतिक कौशल से जुड़े विविध प्रकार के सामाजिक और कॉर्पोरेट मामलों पर उनकी नेतृत्व क्षमता उन्हें एक परोपकारी और कामकाज में कॉर्पोरेट वैज्ञानिक बनाती है।

श्री सक्सेना ने 1984 में एक निजी कंपनी के साथ राजस्थान में सहायक अधिकारी के रूप में अपना कैरियर शुरू किया था। इसके बाद सफेद सीमेंट संयंत्र के साथ विभिन्न क्षमताओं में 11 वर्षों तक काम करने के बाद, उन्हें 1995 में गुजरात में प्रस्तावित बंदरगाह परियोजना की देखरेख के लिए महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत किया गया। इसके बाद वह जल्द ही सीईओ बने और बाद में ग्रीनफील्ड धोलेरा पोर्ट प्रोजेक्ट के निदेशक के रूप में पदोन्नत हुए।

उनके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और प्रशासनिक कौशल को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए बनाई गई राष्ट्रीय समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया। इससे पहले उन्हें लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के मूल्यांकन के लिए पद्म पुरस्कार चयन समिति के सदस्य और “अधिकार प्राप्त समिति” के सदस्य के रूप में चयनित किया गया। नव-नियुक्त उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना को दिल्ली पुलिस परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएँ।

पूर्व पुलिस आयुक्त श्री एम.बी.कौशल द्वारा लिखित पुस्तक में पुलिस के मानवीय चेहरे को पेश किया



पूर्व पुलिस आयुक्त श्री मुकुंद बिहारी कौशल द्वारा लिखित पुस्तक **SAILING ON MY OWN COMPASS: A POLICEMAN'S DIARY** का इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में विमोचन हुआ। यह पुस्तक पुलिस के मानवीय चेहरे को उजागर करने के साथ-साथ सिविल सर्वेंट के लिए भी शिक्षाप्रद बताई गई है। इसके अलावा पुलिस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं के लिए भी यह पुस्तक काफी लाभदायक बताई गई है। इस मौके पर पूर्व राज्यपाल श्री प्रभात कुमार, पूर्व कोयला सचिव श्री अनिल स्वरूप, डीयू के पूर्व वीसी प्रो. दिनेश सिंह,

चिनार कोर के जीओसी लेफ्टि. जनरल (रिट) श्री सैयद अता हसनैन और पूर्व पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार भी उपस्थित थे। इस पुस्तक में रेहड़ीवालों के पुनर्वास से लेकर सांप्रदायिक रूप से अस्थिर स्थितियों से निपटने और आतंकवादियों के खतरों को बेअसर करने, व्यापक जिम्मेदारियों को समझने, अपने आदमियों के लिए खड़े रहने और उनमें आत्मविश्वास मजबूत करना आदि शामिल हैं।

उत्तरी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति की बैठक गुरुग्राम में आयोजित हुई



7 अप्रैल, 2022 को गुरुग्राम में उत्तरी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना और डीजीपी हरियाणा श्री पी.के. अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस बैठक में दिल्ली पुलिस, हरियाणा पुलिस के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान मादक द्रव्य पदार्थों एवं अवैध हथियारों की तस्करी, आतंकवाद, आपराधिक गिरोह, गैंगवार तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग आदि के बारे में विस्तार से चर्चा हुई।



“आजादी का अमृत महोत्सव” एवं दिल्ली पुलिस की “प्लेटिनम जुबली” के मौके पर पुलिस मुख्यालय में “राजा रवि वर्मा चित्रकार-सम्मान समारोह” –चित्रांजलि” का भव्य आयोजन



29 जून, 2022 को पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श सभागार में ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ एवं ‘दिल्ली पुलिस की ‘प्लेटिनम जुबली’ के मौके पर राजा रवि वर्मा चित्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन

मंत्री श्री जी.किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के तौर पर तथा त्रिपुरा, पंजाब व हरियाणा के पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर श्री कप्तान सिंह सोलंकी विशिष्ट अतिथि के तौर पर समारोह में शामिल हुए। इसके अलावा मेघ मंडल संस्थान की सचिव सुश्री विमलेश ब्रिजवाल, राजा रवि वर्मा के वंशज एवं किलिमनूर पैलेस ट्रस्ट के महासचिव श्री राम वर्मा थंपुरन, राज्यसभा सांसद श्रीमती सोनल मानसिंह, पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना, विशेष पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल तथा पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनु अस्थाना की गरिमामयी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को भव्य बना दिया। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री जी.किशन रेड्डी ने कहा कि राजा रवि वर्मा की पेंटिंग श्रद्धा, त्याहार और सम्मान की प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि देश में “आजादी का अमृत महोत्सव” के मौके पर संस्कृति मंत्रालय महात्मा गाँधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, लाला राजपत राय, रवीन्द्रनाथ टैगोर, भगवान बिरसा मुंडा, गुरु तेग बहादुर जैसी महान हस्तियों की जयंती मनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। जिससे हमारे युवाओं और भावी पीढ़ियों के बीच भारतीय इतिहास और संस्कृति के बारे में जानकारी हासिल हो सके। श्री कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि राजा रवि वर्मा भारतीय कला के इतिहास के महानतम चित्रकारों में से एक थे। उनकी याद में कलाकारों को सम्मानित करने का कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय और दिल्ली पुलिस की ओर से एक बड़ी पहल है। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने मंच पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों एवं कलाकारों को दिल्ली पुलिस परिवार की तरफ से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजा रवि वर्मा की पेंटिंग भारत के विशाल इतिहास और विविध संस्कृति को दर्शाती है, जो सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस देश में मनाये जा रहे “आजादी के अमृत महोत्सव” एवं “दिल्ली पुलिस की प्लेटिनम जुबली” को चिन्हित करने के लिए कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य महिला सुरक्षा, मादक पदार्थों की लत से छुटकारा व मानव तस्करी के प्रति जागरूकता फैलाना है, जो दिल्ली पुलिस का एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहलू है। इस अवसर पर कई प्रसिद्ध कलाकारों एवं स्कूली छात्रों सुश्री आराध्या पोरवाल, श्री कृपा सचदेवा व सुश्री वंदना को सम्मानित किया गया और प्रसिद्ध भारतीय नृत्यांगना सुश्री सुधा चंद्रन और समूह ने शास्त्रीय नृत्य भी प्रस्तुत किया। आदर्श सभागार में राजा वर्मा की विविध कलात्मक उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया गया।



हिंदी भाषा में कामकाज की समीक्षा के लिए संसदीय राजभाषा समिति की उप-समिति द्वारा पुलिस मुख्यालय का दौरा



27 मई, 2022 को संसदीय राजभाषा समिति की उप-समिति के माननीय सांसदों ने हिंदी भाषा में किये जा रहे कामकाज की समीक्षा हेतु पुलिस मुख्यालय का दौरा किया। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा दिल्ली पुलिस को नोडल विभाग नियुक्त किये जाने पर समिति के माननीय सांसदों ने दिल्ली पुलिस सहित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मुख्यालय, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद तथा गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा हिंदी भाषा में किये जा रहे कामकाज की समीक्षा की।

इस मौके पर संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष माननीय सांसद श्री भर्तृहरि महताब के नेतृत्व में श्री रामचन्द्र जांगडा (संसद सदस्य, राजभाषा), श्री श्याम सिंह यादव, श्री धर्मेन्द्र कश्यप, श्री अशोक कुमार यादव (संसद सदस्य लोकसभा), श्री धर्मराज खटीक (सचिव समिति), श्री रामेश्वर लाल मीणा (अवर सचिव) सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। इसके अतिरिक्त गृहमंत्रालय के राजभाषा विभाग से सुश्री सहेली घोष, संयुक्त सचिव एवं निदेशक श्री राकेश कुमार भी बैठक में शामिल हुए। इस समीक्षा बैठक में दिल्ली पुलिस की ओर से पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने माननीय सदस्यों का स्वागत किया जबकि विशेष पुलिस आयुक्त श्री सतेन्द्र गर्ग, सुश्री एस.सुंदरी नंदा, श्री संजय बेनीवाल, श्री सुरेन्द्र सिंह यादव, संयुक्त पुलिस आयुक्त

राजेश कुमार, उपायुक्त पुलिस श्री राजेन्द्र प्रसाद मीणा, सहायक आयुक्त पुलिस सुश्री अलका आजाद, हिंदी प्रकोष्ठ से निरीक्षक चन्द्र मोहन, हिंदी अनुवादक श्री सलीम खान स.उ.नि. दयाराम तथा स.उ.नि गजेन्द्र सिंह ने बैठक में भाग लिया।

सर्वप्रथम, उप-समिति के सदस्यों, अन्य विभागों से आए वरिष्ठ अधिकारियों ने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस मुख्यालय सभागार में लगी प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। खान-पान की औपचारिकताओं के उपरांत समिति ने विमर्श सभागार में सभी विभागों द्वारा हिंदी में किये जा रहे कामकाज की समीक्षा की। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि दिल्ली पुलिस माननीय प्रधानमंत्री जी और केन्द्रीय गृहमंत्री जी की ओर से राजभाषा हिंदी के प्रयोग के संबंध में समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतया अनुपालन करती है। उन्होंने कहा कि इस महानगरीय पुलिस में देश के सभी राज्यों से अधिकारियों एवं जवानों का प्रतिनिधित्व शामिल हैं और हिंदी एक ऐसी भाषा है जो सम्पूर्ण देश को एकसूत्र में पिरोने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस अपना अधिकांश प्रशासनिक कार्य हिन्दी भाषा में करने का प्रयास कर रही है।

पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने विमर्श सभागार में उप-समिति के माननीय सदस्यों एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को दिल्ली पुलिस की तरफ से स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया।



दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने अपने 50 वर्ष पूरे होने पर “गोल्डन जुबली” मनाई और “उपान” कार्यक्रम के माध्यम से अपने लंबे सफर का वृत्तचित्र भी प्रस्तुत किया



11 अप्रैल, 2022 की शाम पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श सभागार में दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने अपने अस्तित्व के 50 वर्ष पूरे होने पर “उपान” कार्यक्रम आयोजित किया। समिति ने अपने इन 50 वर्षों के सफर को वृत्तचित्र और सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से बहुत ही शानदार तरीके से प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर केंद्रीय महिला व विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुईं। समारोह में समिति के संरक्षक व पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना, समिति की अध्यक्षा श्रीमती अनु अस्थाना, विशेष पुलिस आयुक्त (वेलफेयर) श्रीमती शालिनी सिंह, समिति की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती लवलीन भगत, श्रीमती आशा कौशल, श्रीमती माला कुमार तथा श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव के साथ-साथ सभागार में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, समिति की वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं आमंत्रित सदस्य उपस्थित थे। इसके अलावा समारोह में महामहिम राष्ट्रपति की सुपुत्री सुश्री स्वाती कोविंद, एनएसए श्री अजीत डोभाल की धर्मपत्नी श्रीमती अरुणी डोभाल, उप-राज्यपाल श्री अनिल बैजल की धर्मपत्नी श्रीमती माला बैजल, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब की चेयरपर्सन श्रीमती किरण चोपड़ा, पूर्व आईपीएस श्री दीपक मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती सिंधू मिश्रा तथा प्रसिद्ध चित्रकार श्री संजय भट्टाचार्य की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

समिति के संरक्षक एवं पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने समिति की “गोल्डन जुबली” के मौके पर बोलते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस देश की राजधानी को सुरक्षित रखने के लिए, चोरी और झपटमारी से लेकर आतंकवाद जैसे संगीन अपराधों से निपटने के लिए चौबीसो घंटे व सातों दिन काम करती है। पुलिस में काम के दौरान खतरा और काम की अधिकता से तनाव आदि का होना स्वभाविक है। परन्तु पुलिस अधिकारी या कर्मी अपने इस चुनौतीपूर्ण काम को इसलिए कर पाते हैं क्योंकि उनके परिजन हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहते हैं। उनके समर्पण के पीछे उनके परिवार का बहुत बड़ा त्याग छिपा रहता है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चों द्वारा विभिन्न तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति से प्रसन्न होकर पुलिस आयुक्त ने न केवल जमकर तारीफ की, बल्कि सभी बच्चों को एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा भी की। श्रीमती सिंधू मिश्रा द्वारा प्रशिक्षित बच्चों द्वारा “नवदुर्गा” की प्रस्तुति को सभी दर्शकों ने सराहा। उन्होंने कहा कि पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं व युवाओं के विकास और उत्थान के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को उचित प्लेटफार्म मुहैया कराने के उद्देश्य से वर्ष 1972 में पुलिस परिवार कल्याण समिति की स्थापना की गई थी। उस समय एक पौधे के तौर पर शुरू हुई यह समिति अपने 50 वर्ष पूरे कर एक वृक्ष का रूप धारण कर पुलिसकर्मियों के परिजनों के हितों में निरंतर बेहतरीन और यादगार काम कर रही है।

समिति की अध्यक्षा श्रीमती अनु अस्थाना ने कहा कि समिति ने अपने कल्याण कार्यों से जो उपलब्धि हासिल की

है उसके लिए समिति की सभी पदाधिकारी, सदस्य व कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। इस उपलब्धि के लिए केवल वर्तमान सदस्य ही नहीं बल्कि पिछले 50 वर्षों से इस समिति को आज इस मुकाम पर पहुंचाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्य भी बधाई की पात्र हैं। श्रीमती अनु अस्थाना ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सभी का संयुक्त प्रयास रहा कि समिति आज पुलिसकर्मियों के परिजनों के लिए अनेकों कल्याण कार्यों को पूरा करने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में पुलिस परिजनों के लिए कल्याण कार्यों के लिए 2 वेलफेयर सेंटर की शुरुआत हुई जिनकी संख्या बढ़कर आज 10 हो गई तथा पुलिसकर्मियों को किरायाती दामों में सामान उपलब्ध कराने के लिए तीन 'स्वयं' सेंटर भी खोले गये हैं।

केंद्रीय महिला व विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने समिति कल्याण एवं सकारात्मक कार्यों के लंबे सफर का जिक्र करते हुए कहा कि आज हमारी बहन-बेटी बेफिक्र होकर घरों से केवल इसलिए निकलती है, क्योंकि उन्हें विश्वास है कि दिल्ली पुलिस उनका संरक्षक बनकर चौबीसों घंटे उनकी सुरक्षा में तैनात है। श्रीमती स्मृति ईरानी ने समिति की उपलब्धियों और दिल्ली पुलिस की कार्यशैली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि राजधानी की सुरक्षा-व्यवस्था में दिल्ली पुलिस का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने ड्यूटी के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जब एक पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य का संकल्प लेकर ड्यूटी के लिए घर से निकलता है, तो उसके परिजनों का चिंतित होना स्वभाविक है। ऐसे समय में दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति उन परिवारों के साथ खड़ी रहती है। उनके परिजनों की हौसला अफजाई करने, उनके हुनर को पहचान दिलाने तथा उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण काम कर रही है। उन्होंने कार्यक्रम में दौरान समिति की पूर्व अध्यक्षाओं को सम्मान दिये जाने को काबिले-तारीफ बताया। श्रीमती स्मृति ईरानी ने कार्यक्रम की शुरुआत में समिति की पहली मोबाइल वैन "स्वयं ऑन व्हील्स" का उद्घाटन किया और समिति के कार्यों को समर्पित 'दिनदानी' पेंटिंग का अनावरण भी किया। यह पेंटिंग प्रसिद्ध चित्रकार श्री संजय भट्टाचार्य के सहयोग से बनाई गई। इस मौके पर समिति द्वारा प्रकाशित एक तिमाही न्यूजलेटर (जनवरी-मार्च, 2022) भी रिलीज किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया जिसमें समिति के 50 वर्षों के सफर का वृत्तांत शामिल था। अंत में समिति की वरिष्ठ पदाधिकारी श्रीमती प्रीति सिंह ने समिति के लंबे सफर के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।



युवा 2.0 पहल के तहत 67 पुलिस थानों में 10 हजार से ज्यादा नए युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण की योजना

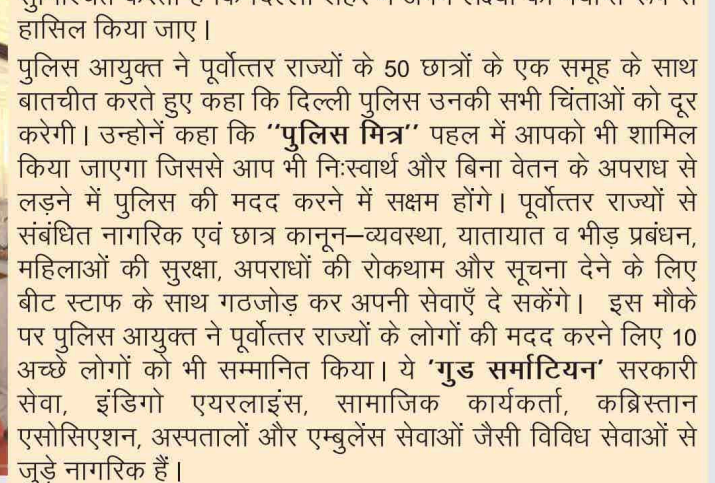
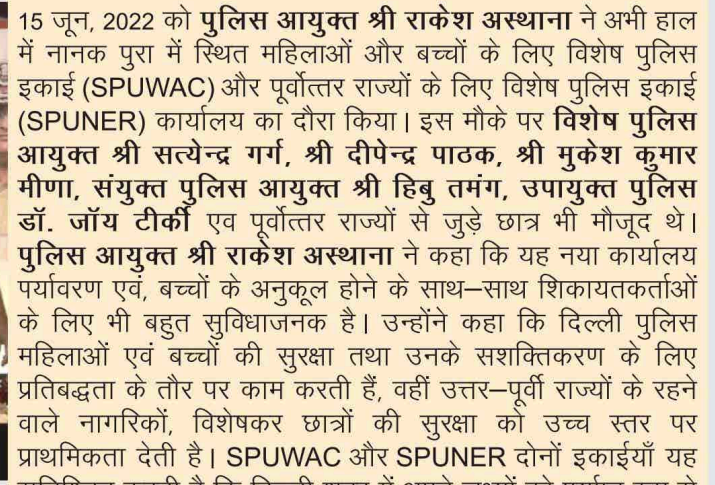


30 अप्रैल, 2022 को पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में युवा 2.0 के लिए दिल्ली पुलिस की तरफ से संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती छाया शर्मा ने तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की तरफ से श्री संदेश तिलकर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इसके साथ ही युवा 2.0 के तहत रोजगार प्रस्ताव प्रस्तुति पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस मौके पर उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुए। इस समझौता ज्ञापन (MOU) पर दिल्ली पुलिस ने अपनी कारगर रही युवा 2.0 योजना के तहत कॉरपोरेट घरानों की सक्रिय भागीदारी के साथ 67 पुलिस स्टेशनों में लगभग 10 हजार नए युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कराने का संकल्प लिया है। इस योजना को भारत की “संकल्प” योजना के तहत विश्व बैंक का समर्थन भी प्राप्त होगा।

मुख्य अतिथि उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल ने युवा योजना के माध्यम से हजारों युवाओं को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने पर दिल्ली पुलिस के प्रयासों की सराहना की। कुछ वर्ष पूर्व युवा योजना के पीछे के विचार का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने तत्कालीन पुलिस आयुक्त से ऐसे युवाओं को चिन्हित करने और मुख्यधारा में शामिल करने की सिफारिश की थी। इससे अपराध की रोकथाम के उद्देश्य को भी बल मिला। उन्होंने आशा व्यक्त की युवा योजना जारी रहेगी जो समाज के भटके युवाओं को नया जीवन जीने की तरफ प्रोत्साहित करेगी।

इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने रेखांकित किया कि दिल्ली पुलिस की युवा 2.0 योजना ऐसे युवाओं के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है जो पहली बार अपराधी बने हैं, अपराध का शिकार हुए हैं, आपराधिक प्रवृत्ति की तरफ अग्रसर हुए हैं, साधनवंचित हैं या फिर दिशाहीन युवा हैं। उन्होंने कहा कि यह युवा योजना न केवल आपराधिक वारदातों को रोकने के उद्देश्य को पूरा कर रही है बल्कि दिल्ली पुलिस के मानवीय और करुणामयी चेहरे को समाज के समक्ष ला रही है। श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि युवा 2.0 योजना के तहत 10 हजार युवाओं को जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर, तकनीकी और डिजिटल, कंप्यूटर ऑपरेटर, लैपटॉप/मोबाइल मैकेनिक, ब्यूटीशियन, हेल्थकेयर वर्कर, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री वर्कर आदि के माध्यम से 26 तरह के प्रशिक्षण दिये जायेंगे। हमारे इन प्रयासों से “आत्म निर्भर भारत” बनाने की दिशा में दिल्ली पुलिस की एक सच्ची अभिव्यक्ति की झलक भी मिलेगी। व्यावसायिक प्रशिक्षण के दौरान कराये गये 26 तरह के कोर्सेस से युवाओं को रोजगार प्राप्ति की संभावना को वास्तविक बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज समाज में पुलिस को एक प्रेरक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने की दिशा में दिल्ली पुलिस की युवा योजना का संचालन देश में एक अनूठा उदाहरण है। एमएसडीई के सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने भी दिल्ली पुलिस की युवा 2.0 योजना की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस के प्रति समाज के नजरिए में काफी सकारात्मक बदलाव आ रहा है। युवा 2.0 योजना को चरणबद्ध तरीके से दिल्ली के सभी थानों में शुरू किया जाएगा। आज दिल्ली पुलिस की युवा 2.0 योजना से लाभांविता हुए हजारों युवा सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं, जिससे उनके परिवारों और समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

पुलिस आयुक्त ने अभी हाल में निर्मित स्पूवैक और स्पूनर कार्यालय किया दौरा



15 जून, 2022 को पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने अभी हाल में नानक पुरा में स्थित महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष पुलिस इकाई (SPUWAC) और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए विशेष पुलिस इकाई (SPUNER) कार्यालय का दौरा किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री सत्येन्द्र गर्ग, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री मुकेश कुमार मीणा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री हिबु तमंग, उपायुक्त पुलिस डॉ. जॉय टीकी एवं पूर्वोत्तर राज्यों से जुड़े छात्र भी मौजूद थे। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि यह नया कार्यालय पर्यावरण एवं, बच्चों के अनुकूल होने के साथ-साथ शिकायतकर्ताओं के लिए भी बहुत सुविधाजनक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा तथा उनके सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता के तौर पर काम करती हैं, वहीं उत्तर-पूर्वी राज्यों के रहने वाले नागरिकों, विशेषकर छात्रों की सुरक्षा को उच्च स्तर पर प्राथमिकता देती है। SPUWAC और SPUNER दोनों इकाईयाँ यह सुनिश्चित करती हैं कि दिल्ली शहर में अपने लक्ष्यों को पर्याप्त रूप से हासिल किया जाए।

पुलिस आयुक्त ने पूर्वोत्तर राज्यों के 50 छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस उनकी सभी चिंताओं को दूर करेगी। उन्होंने कहा कि "पुलिस मित्र" पहल में आपको भी शामिल किया जाएगा जिससे आप भी निःस्वार्थ और बिना वेतन के अपराध से लड़ने में पुलिस की मदद करने में सक्षम होंगे। पूर्वोत्तर राज्यों से संबंधित नागरिक एवं छात्र कानून-व्यवस्था, यातायात व भीड़ प्रबंधन, महिलाओं की सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम और सूचना देने के लिए बीट स्टाफ के साथ गठजोड़ कर अपनी सेवाएँ दे सकेंगे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की मदद करने लिए 10 अच्छे लोगों को भी सम्मानित किया। ये 'गुड समारिटियन' सरकारी सेवा, इंडिगो एयरलाइंस, सामाजिक कार्यकर्ता, कब्रिस्तान एसोसिएशन, अस्पतालों और एम्बुलेंस सेवाओं जैसी विविध सेवाओं से जुड़े नागरिक हैं।

विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर पुलिस मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में 1300 पुलिसकर्मियों ने रक्तदान किया

दिल्ली-एनसीआर में रक्त की जरूरतमंदों के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर 6828400400 शुरू की

पुलिस आयुक्त ने अनेकों बार के रक्तदाता पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित



14 जून, 2022 को “विश्व रक्तदान दिवस” के अवसर पर पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श सभागार में “जीवन दायिनी” योजना के तहत आयोजित रक्तदान शिविर में 1300 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस मौके पर एम्स के निदेशक पद्मश्री डॉ. रणदीप गुलेरिया, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के निदेशक डॉ. वंश सिंह, पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना, विशेष पुलिस आयुक्त श्री सत्येन्द्र गर्ग, श्री एस.बी.के सिंह, श्री संजय सिंह, श्रीमती नुजहत हसन, श्री रोबिन हिबू, उपायुक्त पुलिस श्री सतीश कुमार, श्रीमती सुमन नलवा, एसीपी श्री कुमार अभिषेक सहित काफी संख्या में रक्तदाता मौजूद थे। 14 जून का दिन दुनिया भर में रक्तदान दिवस के रूप में मनाने का उद्देश्य चिकित्सा स्थितियों से प्रभावित लोगों का जीवन बचाने के लिए समय पर रक्तदान मिल सके और रक्तदान के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके। वर्ष 2017 में दिल्ली पुलिस के कुछ नियमित और उत्साही रक्तदाताओं ने स्वैच्छिक समूह बनाकर “जीवन दायिनी” की अवधारणा को मूर्त रूप दिया था। जब इस समूह के सदस्यों को ज्ञात हुआ कि अस्पतालों और ब्लड बैंकों में रक्त की कमी के कारण लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं, तब इन रक्तदाताओं ने “जीवन-दायिनी” नाम से समूह बनाया और जरूरतमंदों को रक्तदान करने लगे। इस समूह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने साथियों के बीच रक्तदान के लिए जागरूकता फैलाना और रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करना शुरू किया। इसके सार्थक परिणाम सामने आए और 800 से ज्यादा दिल्ली पुलिस, हरियाणा पुलिस, रक्षा मंत्रालय, शिक्षिक एवं आम नागरिक जीवन-दायिनी समूह से जुड़ते चले गये। इसमें कुछ ऐसे रक्तदाता भी शामिल हैं जिन्होंने 80 से ज्यादा बार रक्तदान किया है। स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने 8500 से अधिक यूनिट रक्त, प्लाज्मा, प्लेटलेट्स और डब्ल्यूबीसी दान किया है। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने डॉ० रणदीप गुलेरिया और डॉ० वंश सिंह को दिल्ली पुलिस के इस नेक काम में मदद के लिए आभार व्यक्त करते हुए सम्मानित किया। जीवन दायिनी समूह के 75 सक्रिय सदस्यों में अनेकों बार रक्तदान करने वाले 17 पुलिसकर्मियों को पुलिस आयुक्त ने प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया जिनमें हेडकां. शंकर लाल, कां. आशीष दहिया, कां. रविन्द्र धालीवाल व कां. अमित सिंह को विशेष तौर पर शामिल थे। डॉ. रणदीप गुलेरिया ने दिल्ली पुलिस की जीवन दायिनी पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक महान पहल है, जिसके माध्यम से दिल्ली पुलिस के जवान स्वैच्छिक रूप से जरूरतमंदों की मदद करते हैं। विशेषकर कोविड काल में दिल्ली पुलिस के जवानों द्वारा रक्तदान करने में बहुत बड़ा योगदान रहा है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि, जीवन दायिनी पूर्णरूप से स्वैच्छिक आधार पर शुरू की गई एक पहल है, जिसे अब दिल्ली पुलिस ने पहुंच और प्रभाव से संस्थागत रूप दिया है। दिल्ली पुलिस ने कोविड-19 के दौरान दवाओं की व्यवस्था, ऑक्सीजन की आपूर्ति, दवाओं की कालाबाजारी रोकने के साथ-साथ रक्तदान करने में अग्रणीय भूमिका निभाई है, जो वर्षों तक विस्मरणीय रहेगी। विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में भी रक्तदान शिविर आयोजित कर इस नेक काम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

दिल्ली पुलिस व आईआईटी (दिल्ली) के साथ दिल्ली पुलिस तकनीकी आधारित आधुनिकीकरण के लिए समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर



14 जून, 2022 को दिल्ली पुलिस व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी दिल्ली) के बीच अपराध, कानून-व्यवस्था, यातायात व्यवस्था और पुलिस के जवानों और नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ मुहैया कराने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना की मौजूदगी में विशेष पुलिस आयुक्त (प्रौद्योगिकी परियोजना एवं कार्यान्वयन प्रभाग) श्री एस.बी.के सिंह ने व आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। अब दिल्ली पुलिस व आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर काम करने से दिल्ली पुलिस के जवान ज्यादा हाईटेक होंगे। इस समझौता ज्ञापन के अनुसार तकनीक की खोज करने, मौजूदा प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं का मूल्यांकन करने, भविष्य में चुनौतियों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान विकसित करने और दिल्ली पुलिस की तकनीकी समितियों में योग्य व्यक्तियों को शामिल किये जाने को बल मिलेगा। प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि प्रौद्योगिकी और संसाधनों का समाज के हितों में इस्तेमाल किया जाना चाहिए और आईआईटी दिल्ली इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ पुलिस बल बनाने के लिए दिल्ली पुलिस के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी और प्रणालियों का विकास किया जाएगा। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के “आत्मनिर्भर भारत” दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने यह समझौता ज्ञापन तैयार किया है। जिसके माध्यम से आईआईटी दिल्ली, दिल्ली पुलिस को नवीन तकनीकों को अपनाने और स्वदेशी डिजिटल ट्रैकिंग संचार प्रणाली, सीसीटीवी एकीकरण प्लेटफॉर्म विकसित करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कानून-व्यवस्था बनाए रखने, नागरिकों के मन में सुरक्षा की भावना मजबूत करना, मोबाइल फोन के दुरुपयोग की रोकथाम करने और वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल जैसी चुनौतियों से निपटने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस में नई प्रौद्योगिकियों के समावेश से संचार, आतंकवादी गतिविधियों की रोकथाम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ड्रोन प्रौद्योगिकी, यातायात प्रबंधन और सुचारु कानून-व्यवस्था में मदद मिलेगी।

सनसनीखेज हत्या व लूटपाट की वारदात सुलझाने वाली पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त ने दी शाबाशी



अपराध शाखा की (एआरएससी) 1 मई, 2022 को थाना सिविल लाइन इलाके में एक व्यवसायी श्री रामकिशोर अग्रवाल (77) की सनसनीखेज हत्या व लूटपाट की सूत्रहीन वारदात को मात्र 3/4 दिनों में सुलझाने में उत्कृष्ट तपशील और अच्छी सूझबूझ का

परिचय दिया है। पुलिस टीम की इस शानदार सफलता पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने टीम को अपने कार्यालय में बुलाकर शाबाशी दी। विशेष पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव के मार्गदर्शन में अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री एस.डी मिश्रा व उपायुक्त पुलिस श्री रोहित मीणा के नेतृत्व में एसीपी श्री अरविंद कुमार की टीम इंस्पेक्टर अरुण सिंधु, एसआई राजकुमार, एसआई चन्द्र शेखर, सुभाष, रविन्द्र, प्रमोद, हेडकां. गौरव त्यागी, शशिकांत, जितेन्द्र, अनंगपाल, दीपचंद, नरेन्द्र, अंजु, कुलदीप तथा कां. सुरेन्द्र, प्रवीन्द्र व अरविंद ने संवेदनशील इलाके में इस वारदात को सुलझाने में पेशेवर निपुणता का परिचय दिया है।

नवगठित कल्याण विभाग द्वारा सेवारत और सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के लिए “परहित” कार्यक्रम के माध्यम से कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत

25 मई, 2022 को पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में पिछले दिनों दिल्ली पुलिस में अस्तित्व में आए “कल्याण विभाग” ने सेवारत और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कई वेबसाइट्स का डिजिटली उद्घाटन किया और कल्याण विभाग द्वारा मात्र कुछ महीनों में प्राप्त उपलब्धियों की प्रशंसा की। पुलिस आयुक्त ने कल्याण विभाग द्वारा जारी नई नवीनीकृत वेबसाइट को लांच करते हुए बताया कि इस नए लिंक से पुलिस कर्मियों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी, दिल्ली पुलिस कल्याण योजनाएँ, डीपीएमएफ, स्वास्थ्य और कल्याण, मेस बुकिंग सुविधा पीएफईडी जैसी कई नई जानकारीयों और समाधान मिलेंगे। इसी तरह डिजी-लॉकर का ऑनलाइन शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि यह सुविधा पुलिसकर्मियों, विशेषकर सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगी। डिजी-लॉकर में पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश, सेवामुक्ति प्रमाणपत्र, वरिष्ठ नागरिक कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित और हमेशा अपने पास रखे जा सकेंगे। पुलिस आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि, मैं उन सभी दिगंत पुलिसकर्मियों को नमन करता हूँ जिन्होंने कोरोना-19 के फेज़ एक व दो के दौरान अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। मृत्यु तो निश्चित है परंतु जिनके भाई-बहनों और परिवारजनों ने अपनी जान न्योछावर की उन परिवारों के लिए दुःखः असीम है। मैं यही कहना चाहूँगा कि दिल्ली पुलिस हमेशा आपके साथ खड़ी है, खड़ी रहेगी, आपको आपके बच्चों को कभी भी किसी चीज़ की या मदद की जरूरत हो तो बेधड़क आप आए, आपकी जरूर मदद करेंगे।

पुलिस आयुक्त ने कहा दिल्ली पुलिस एक विशाल परिवार की तरह है और इस परिवार से सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मियों जिन्होंने कर्तव्यपालन के दौरान अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष पुलिस विभाग को दिये हैं, उन्हें पूरा सम्मान दें और उनकी शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहें। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों और दिगंत पुलिसकर्मियों के आश्रित अपनी किसी भी समस्या के लिए ओपन हाउस शिकायत निवारण सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इस मौके पर मैनेकाइंड फार्म द्वारा कोविड-19 के दूसरे दौर में दिगंत हुए 41 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 3-3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। कार्यक्रम के दौरान कल्याण विभाग ने “निर्माण आईएस अकादमी” के साथ पुलिसकर्मियों एवं उनके बच्चों को रियायती दरों पर कोचिंग और पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ‘अल्ट्रानेटिव लर्निंग सिस्टम’ (ALS), ‘दृष्टि अकादमी और पेस आईआईटी एंड मेडिकल द्वारा पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने व मुफ्त में पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इलेक्ट्रॉनिक एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय (MeitY) द्वारा ऑनलाइन प्रत्येक आधार को क्लाउड में एक खाता प्रदान करती है जिसकी मदद से धारक को डिजी-लॉकर में अपने प्रमाणिक दस्तावेज/प्रमाण पत्र सुरक्षित रख सकेगा। इस मौके पर इलेक्ट्रॉनिक एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय (MeitY) को डॉ. विनय ठाकुर व श्री निर्मित मल्होत्रा, मैसर्स मैनेकाइंड फार्म इंडिया के सीईओ श्री राजीव जुनेजा, निर्माण आईएस अकादमी के श्री अभिषेक सिंह, वैकल्पिक शिक्षण प्रणाली (ALS) के श्री मनीश कुमार गौतम, दृष्टि अकादमी के श्री अजय किरण काराकोटी तथा पेस आईआईटी एवं मेडिकल के श्री संदीप सिंघल को भी पुलिस आयुक्त ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके द्वारा पुलिस परिवारों को दिये गये सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मैनेकाइंड फार्म के सीईओ श्री राजीव जुनेजा ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी फर्म का प्रयास होगा कि कोरोना-19 के प्रारंभिक दौर में दिगंत हुए पुलिसकर्मियों की भी आर्थिक मदद की जाए।

पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने पुलिसकर्मियों के हितार्थ इन ज्ञापन समझौतों को अमल में लाने में अहम भूमिका निभाने वाले कल्याण विभाग के अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री ए.वी. देशपांडे, उपायुक्त पुलिस (उत्तर-पश्चिमी जिला) श्रीमती उषा रंगनानी, उपायुक्त पुलिस (मध्य जिला) श्रीमती श्वेता चौहान तथा उपायुक्त पुलिस (उत्तरी जिला) श्री सागर सिंह कलसी के साथ-साथ कल्याण विभाग के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पुलिसकर्मियों को विशेष तौर पर सम्मानित किया गया। आदर्श सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी विशेष पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं अतिरिक्त आयुक्त पुलिस स्तर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।



पुलिस आयुक्त द्वारा पश्चिमी परिक्षेत्र में साइबर पुलिस स्टेशन, क्रेच और पुस्तकालय का किया उद्घाटन



26 मई, 2022 को पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने पश्चिमी जिला के थाना हरिनगर परिसर में साइबर पुलिस स्टेशन, क्रेच और लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मीनू चौधरी, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री चिन्मय बिशवाल, पश्चिमी परिक्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, कर्मी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान "आर्शीवाद" और "स्मार्ट एल्डर" नामक दो कल्याणकारी पहल का भी शुभारंभ किया। आर्शीवाद नाम से शुरू हुई इस कल्याणकारी पहल से इलाके में अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिक को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षा प्रदान करना, उन्हें थानाध्यक्ष, बीट ऑफिसर, वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन, साइबर हेल्पलाइन जैसी सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना। स्मार्ट एल्डर पहल का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराधों में अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों के प्रति जागरूक करना तथा सोशल मीडिया के उपयोग करने में सावधानी और बुनियादी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। इस पहल की मदद से वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल साक्षरता और साइबर जागरूकता के लिए दो दिन के क्रेच कोर्स कराने के साथ-साथ दिल्ली पुलिस द्वारा जनहित में जारी विभिन्न एप्लिकेशन/ऐप्स आदि के बारे में शिक्षित करना है। अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री चिन्मय बिशवाल ने बताया कि पश्चिमी जिला पुलिस द्वारा शुरू की गई इन दो नई पहल को क्षेत्रवासियों ने काफी सराहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी जिला पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जागरूक करने संबंधी कई क्रेच कोर्स कराये हैं, जिसमें सैकड़ों वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। वरिष्ठ नागरिक काफी उत्साहित और प्रपूजित दिखाई दिये और उन्होंने पुलिस की इस शानदार पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पश्चिमी जिला में साइबर थाना खुल जाने से अब अन्य थानों में दर्ज साइबर अपराध के मामले में इस थाने में स्थानांतरित हो जाएंगे और उनकी उत्कृष्ट और बेहतर जांच हो सकेगी।

इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि साइबर अपराध सामान्य अपराध की तुलना में ज्यादा खतरनाक है। यह एक ऐसा अपराध है जिसकी कोई सरहद नहीं है, दुनिया में कहीं से भी इस अपराध का शिकार बनाया जा सकता है। इसलिए साइबर अपराध से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस ने अपने प्रत्येक जिले में "साइबर पुलिस स्टेशन" खोले हैं ताकि साइबर अपराध से पीड़ित/शिकार व्यक्ति इन थानों में तैनात प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों से सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सके। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से निपटने में सावधानी और जागरूकता ज्यादा जरूरी है। तकनीकी आधार पर अधिक मात्रा में घटित होने वाले इस साइबर अपराध में अच्छे शिक्षित और जानकार व्यक्ति भी इसका शिकार हो जाते हैं। उन्होंने का कहा कि साइबर अपराध से पीड़ित/शिकार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि साइबर अपराध का शिकार होने पर अपने माता-पिता और पुलिस पर विश्वास करें और यदि ऐसे किसी अपराध से तंग है या फंसे हुआ महसूस करें तो संकोच ना करते हुए उसकी तत्काल रिपोर्ट दर्ज करायें। पुलिस-पब्लिक लाइब्रेरी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह सुविधा स्थानीय छात्रों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों एवं उनके बच्चों के लिए भी मील का पत्थर साबित होगी। इसके साथ ही क्रेच दिल्ली पुलिस की कामकाजी महिला पुलिसकर्मियों के लिए एक कल्याणकारी कदम है। कार्यक्रम के दौरान अस्मिता समूह के कलाकारों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक पेश किया। इसमें बताया गया कि किस प्रकार एक किशोरी का अश्लील चित्र इंटरनेट पर डालने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की जा रही थी।

पुलिस आयुक्त ने पुलिस मुख्यालय में फेस-2-फेस स्टूडियो और सोशल मीडिया सेल का किया उद्घाटन

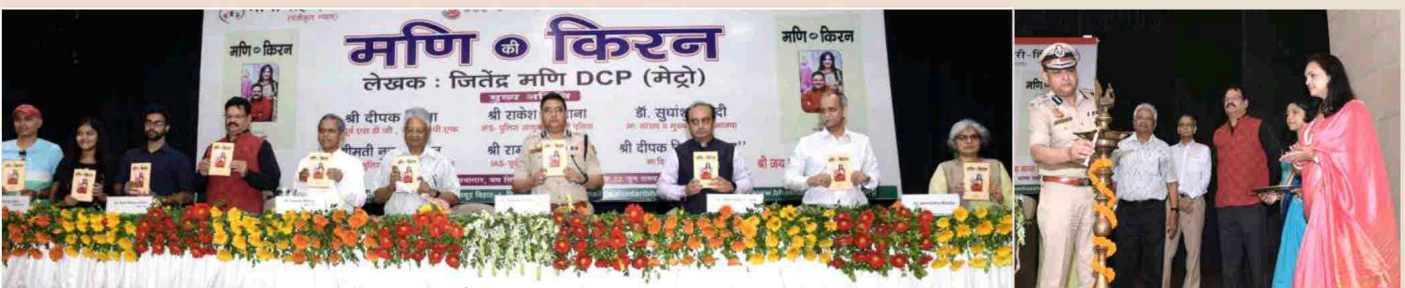


पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने 30 मई, 2022 को पुलिस मुख्यालय के 14वें तल पर फेस-2-फेस स्टूडियो और सोशल मीडिया सेल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती एस.सुंदरी नंदा, श्री संजय बेनीवाल, श्री मुकेश कुमार मीणा, श्री संजय सिंह, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री नुजहत हसन, श्री विरेन्द्र कुमार, श्री रोबिन हिबू, श्रीमती गरिमा भटनागर, श्री रविन्द्र यादव, श्री मधुप तिवारी, डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, श्री हरगोविंद सिंह धालीवाल, श्री सुरेन्द्र सिंह यादव, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री रोमिल बानिया, उपायुक्त पुलिस श्रीमती सुमन नलवा, एसीपी श्री आदित्य गौतम व एसीपी श्री कुमार अभिषेक भी मौजूद थे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि आज के आधुनिक एवं सुव्यवस्थित समाज में संचार के माध्यमों का अपना एक अलग महत्वपूर्ण स्थान है। इसके साथ ही भ्रमित और नकली समाचारों से लड़ना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना की सार्वजनिक क्षेत्र में वास्तविक तथ्यों का प्रचार-प्रसार करना। दिल्ली पुलिस ने पॉडकास्ट, ट्विटर लाइव सत्र, पैनल चर्चा, प्रेस वार्ता तथा नकली समाचारों का मुकाबला करने और हिंसा, आग की घटना, इमारत ढहने, बम की धमकी या आकस्मिक स्थिति में सूचना के त्वरित प्रसार के लिए के लिए सोशल मीडिया सेल की स्थापना की है। सोशल मीडिया जागरूकता फैलाने और कम से कम समय में फर्जी खबरों का खंडन करना या खत्म करने का सबसे अच्छा माध्यम है। कई मौकों पर कानून-व्यवस्था संबंधी और शांति तथा सद्भाव भंग करने के लिए झूठे प्रचार को शरारतपूर्ण तरीके से बढ़ाया जाता है। सोशल मीडिया सेल इस तरह की फेक न्यूज का मुकाबला करेगी। इसके अलावा गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, शिखर सम्मेलन और अन्य मेगा इवेंट पर वीडियो सलाह के साथ नियमित अपडेट के माध्यम से शहर के यातायात को नियंत्रित किया जा सकता है। इस उन्नत स्टूडियो (फेस-2-फेस) के नियमित संपर्क के माध्यम से आम जनता को प्रशिक्षण एवं कल्याण संबंधी आंतरिक प्रस्तुतियों के बारे में भी अवगत कराया जा सकेगा।



उपायुक्त पुलिस (मैट्रो) द्वारा लिखित पुस्तक का पुलिस आयुक्त ने किया विमोचन

22 जून, 2022 को एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने उपायुक्त पुलिस (मैट्रो) द्वारा लिखित पुस्तक "मणि की किरन" का विमोचन किया। इस मौके पर पूर्व आईएफएस श्री अमर्नेद खाटुआ, सेवानिवृत्त आईएएस श्री राम मोहन मिश्र, पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री विरेन्द्र सिंह चहल, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री मधुप तिवारी, श्री संजय सिंह, श्रीमती नुजहत हसन, भाजपा सांसद एवं प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, श्री आलोक मिश्रा एवं श्री अरुण सिन्हा सहित कई गणमान्य हस्तियाँ मौजूद थीं। यह काव्य संग्रह जिसे श्री जितेंद्र मणि ने अपनी धर्मपत्नी स्वर्गीय किरण मणि त्रिपाठी को समर्पित किया है, की समीक्षा श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेई, श्रीमती अलका सिंह एवं श्री नरेश शांडिल्य ने की। इस मौके पर सभी गणमान्य व्यक्तियों ने उपायुक्त पुलिस श्री जितेंद्र मणि द्वारा लिखित पुस्तक में कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत की संवेदनशीलता और गंभीरता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि पत्नी के असमय छोड़ कर चले जाने के बावजूद जितेंद्र मणि की कार्य कुशलता में कोई कमी नहीं आई और उस भारी क्षति के बावजूद अपने सभी कर्तव्यों को पूरी तत्परता और कुशलता के साथ निभा रहे हैं।



पुलिस मुख्यालय में “DP Active Fitness Centre” का उद्घाटन



20 अप्रैल, 2022 को पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने पुलिस मुख्यालय की 11वीं मंजिल पर “DP Active Fitness Centre” का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री सत्येन्द्र गर्ग, श्री एस.बी.के.सिंह, श्री संजय बेनीवाल, श्री संजय सिंह, श्री नीरज ठाकुर, श्रीमती शालिनी सिंह, श्री एस.एस.यादव, अति.आ.पुलिस श्री रोमिल बानिया सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। इस मौक पर पुलिस आयुक्त ने बताया कि पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के लंबे समय तक काम करने, अनिश्चित कार्यक्रम तथा काम से संबंधित तनाव आदि को देखते हुए उनके शारीरिक एवं मानसिक कल्याण के लिए दिल्ली पुलिस में “डीपी एक्टिव” मिशन शुरू किया है। उन्होंने कहा कि पूर्णतया वातानुकूलित यह DP Active Fitness Centre व्यायाम, योग व कसरत के लिए बहुत ही उपयुक्त साबित होगा। उन्होंने कहा कि सभी स्तर के कर्मियों को शारीरिक एवं मानसिक तौर पर फिट रहना बहुत जरूरी है ताकि आधुनिक समय की पुलिसिंग से जुड़ी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सके। पुलिस अधिकारी एवं कर्मी सुविधाजनक समय में या नियमित तौर पर इस फिटनेस सेंटर का लाभ उठा सकते हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि “डीपी एक्टिव” मिशन के तहत शीघ्र ही अन्य जिलों और ईकाइयों में ऐसे फिटनेस सेंटर खोलने की योजना बनाई गई है। पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने फिटनेस सेंटर में लगे उपकरणों का निरीक्षण करते हुए मौके पर मौजूद फिजियोथेरेपिस्ट, आहार विशेषज्ञ, फिटनेस ट्रेनर व काउंसर से बात कर उपकरणों के उपयोगिता, क्वालिटी और अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल की। फिटनेस लॉज में प्रवेश करने के दौरान कुछ निर्धारित आदेशात्मक नियमों का पालन करना होगा। फिटनेस लॉज प्रत्येक कार्यदिवस पर प्रातः 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रहेगा सिवाय सोमवार एवं अन्य राजपत्रित अवकाश को छोड़कर। इसके साथ ही प्रतिदिन के रखरखाव के लिए 1.30 से लेकर 3.30 बजे तक फिटनेस लॉज बंद रहेगा। प्रातः 6 बजे से 10 बजे तक और सांय 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक राजपत्रित अधिकारियों के लिए तथा सांय 4 बजे से 5 बजे तक महिलाओं के लिए सुरक्षित रखा गया है। फिटनेस लॉज में फिटनेस ट्रेनर, रिस्पेशनिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट एवं डायटिशियन आदि की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

फिटनेस लॉज की फीस संरचना इस प्रकार होगी: दिल्ली पुलिस के राजपत्रित अधिकारी: व्यक्तिगत—1500 रु0 मासिक, 7500 रु0 अर्धवार्षिक और 15,000 रु0 वार्षिक। परिवार के दो सदस्यों के लिए—2500 रु0 मासिक, 12,500 रु0 अर्धवार्षिक तथा 25,000 रु0 वार्षिक तथा परिवार के 4 सदस्यों के लिए—4000 रु0 मासिक, 20,000 रु0 अर्धवार्षिक तथा 40,000 रु0 वार्षिक। राजपत्रित अधिकारियों के मेहमानों के लिए— 200 रु0 प्रतिदिन। एसआई से इंस्पेक्टर: व्यक्तिगत 1200 रु0 6,000 रु0 अर्धवार्षिक तथा 12,000 रु0 वार्षिक। कांस्टेबल से हेडकां. व्यक्तिगत 1000 रु0 मासिक, 5000 रु0 अर्धवार्षिक तथा 10000 रुपये वार्षिक। ऑल इंडिया सर्विस, केंद्रीय पुलिस संगठनों तथा अन्य राज्यों के पुलिस अधिकारियों के लिए (पे लेवल—10 से ऊपर) के लिए— 2500 रु0 मासिक, 12,500 अर्धवार्षिक एवं 25,000 रु0 वार्षिक फीस निर्धारित की गई है।

कृपया इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एस.ओ.पी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (मानक संचालक प्रक्रिया) को देख लें।



श्री कुमार अभिषेक ने संभाला अतिरिक्त जनसम्पर्क अधिकारी का प्रभार

2015 बैच के दानिप्स अधिकारी श्री कुमार अभिषेक ने 31 मई, 2022 को अतिरिक्त जनसम्पर्क अधिकारी के तौर पर अपना दायित्व संभाला। एसीपी श्री कुमार अभिषेक को दिल्ली पुलिस में एक बेहतरीन और सुलझे हुए अधिकारी के तौर पर जाना जाता है। एसीपी साई-पैड, एसीपी पंजाबी बाग, एसीपी कमला मार्केट तथा एसीपी स्पेशल ब्रांच (सोशल मीडिया सेल) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सफलतापूर्वक एवं प्रभावशाली ढंग से अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। अत्यंत सौम्य एवं शालीन स्वभाव के एसीपी श्री कुमार अभिषेक पुलिस व मीडिया कर्मियों के बीच परस्पर विश्वसनीय और मजबूत रिश्ते स्थापित करने में जरूर सफल रहेंगे।



पुलिस मुख्यालय में दानिप्स अधिकारियों की पासिंग आउट परेड एवं शपथ ग्रहण समारोह



4 अप्रैल, 2021 को पुलिस मुख्यालय के आदर्श सभागार में दानिप्स पुलिस अधिकारियों की पासिंग आउट परेड व शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने मुख्य अतिथि के तौर पर परेड की सलामी ली और संबोधित किया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने संबोधित करते हुए कहा कि बुनियादी प्रशिक्षण के दौरान एक प्रभावी एवं कुशल पुलिस अधिकारी को मानसिक, शारीरिक और ड्रिल में फिट होना बहुत जरूरी है। चूंकि एसीपी एक सुपरवाइजरी रैंक का अधिकारी होता है इसीलिए उसे व्यवहारिक प्रशिक्षण के दौरान पुलिस के बुनियादी सिद्धांतों की बारीकियों को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि आजकल साइबर अपराध, आतंकवाद, मादक द्रव्य और अवैध हथियार से निपटना एक चुनौती है। आज अपराधों की तकनीकी जांच, साक्ष्य एकत्रित करना, नई-नई आपराधिक प्रवृत्तियों को समझना और उससे निपटना पुलिस कार्यशैली का एक अहम हिस्सा हो गया है। पासआउट होने वाले दानिप्स प्रशिक्षुओं में श्री संदीप दीप (गुजरात), श्री पी. अभिनंदन (तमिलनाडू) तथा श्री फिरोज आलम (उत्तर प्रदेश) ने क्रमशः बीकॉम, बीटेक तथा एमए की डिग्री हासिल की है। वर्ष 2010 में दिल्ली पुलिस में बतौर कांस्टेबल भर्ती हुए श्री फिरोज आलम ने अपनी कड़ी मेहनत से यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर अन्य प्रतियोगियों के समक्ष एक आदर्श प्रस्तुत किया है। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने प्रशिक्षु दानिप्स अधिकारी श्री फिरोज आलम को उनकी इस कामयाबी पर विशेषतौर पर बधाई दी। अत्यंत सौम्य और व्यवहार कुशल श्री फिरोज आलम ने 16 फरवरी, 2022 को स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित परेड में द्वितीय परेड कमांडर की भूमिका को बखूबी निभाया था। प्रशिक्षण के दौरान तीनों प्रशिक्षु अधिकारियों को समाज में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और समाज के कमजोर वर्ग के प्रति संवेदनशील रहने, कानूनी प्रक्रियाओं, आधुनिक तकनीक, साइबर अपराध, आतंकवाद, अशस्त्र-शस्त्र तथा मानव अधिकारों आदि के बारे में गहन प्रशिक्षण दिया गया है। समारोह में विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा तथा पुलिस अकादमी के निदेशक श्री ऋषिपाल के साथ-साथ सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।



अपराध समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस आयुक्त ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया

28 मई, 2022 को विमर्श सभागार में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने पिछले दिनों उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न जिला/यूनिटों के 6 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया। इनमें एसआई अभिषेक दिवाकर (थाना हर्ष विहार) तथा एसआई रवि बेनीवाल (थाना गोविन्दपुरी) को सर्वश्रेष्ठ डिविज़न ऑफिसर, तथा हेडकां. सुनील कुमार (थाना मुंडका), हेडकां. पूर्णचंद (ट्रैफिक सर्कल, सीआर पार्क), कां. रमेश कुमार (थाना सिविल लाइन) तथा कां. नरसी कुमार मीणा (थाना हरी नगर) को सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल के तौर पर पुलिस आयुक्त ने नकद पुरस्कार, प्रशंसा पत्र और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया।



पुलिस आयुक्त द्वारा नई पुलिस लाइन में अत्याधुनिक बैंक्विट हॉल “उत्सव सदन” का उद्घाटन



29 अप्रैल, 2022 को पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने नई पुलिस लाइन में दिल्ली पुलिस के पहले अत्याधुनिक बैंक्विट हॉल “उत्सव सदन” का उद्घाटन किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री सत्येन्द्र गर्ग, श्री एस.बी.के.सिंह, श्री रोबिन हिबु, श्रीमती एस सुंदरी नंदा, श्री संजय बेनीवाल, श्री दीपेन्द्र पाठक, डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, श्री मधुप तिवारी संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री नवाम गुगुंटे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मधुर वर्मा, श्री रोमिल बानिया, उपायुक्त गौरव शर्मा के अलावा भारी संख्या में विभिन्न जिला/यूनितों से आए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मी सीधे कार्यक्रम से जुड़े जबकि लगभग 170 पुलिस कॉलोनीयों में रहने वाले पुलिस परिजनों ने वर्चुअली मोड के माध्यम से इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हास्य कलाकार सुरेन्द्र शर्मा सहित अन्य कलाकारों ने हास्य मनोरंजन किया तो वहीं, पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम उपस्थित कर समारोह की गरिमा को बढ़ाया।

इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि इस उत्सव सदन का निर्माण पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए एक अहम और कल्याणकारी पहल है, जिसमें दिल्ली पुलिस के अधिकारी एवं कर्मी अपने पारिवारिक, मांगलिक कार्यों को काफी रियायती दरों में यहाँ सम्पन्न कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को अपने पारिवारिक, मांगलिक समारोह जैसे सगाई, विवाह, जन्मदिन, पार्टी मिलन समारोह जैसे कार्यों के लिए बाहर काफी मंहगे दामों पर बैंक्विट हॉल बुक कराने पड़ते थे, अब वे काफी सस्ती दरों में अपने मांगलिक कार्यों को यहाँ अंजाम दे सकेंगे। विशेष पुलिस आयुक्त श्री रोबिन हिबु एवं अतिरिक्त आयुक्त श्री मधुर वर्मा के मार्गदर्शन में दिल्ली सशस्त्र पुलिस एवं लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने विभिन्न बाधाओं के बावजूद निरंतर 10 महीने की अत्यवधि में इस भव्य बैंक्विट हॉल के निर्माण कार्य को पूरा किया। श्री मधुर वर्मा ने बताया कि कोविड जैसी महामारी, लॉकडाउन और नवम्बर दिसम्बर माह में खराब मौसम, श्रमिकों की कमी तथा निर्माण सामग्री पर प्रतिबंध जैसी बाधाओं के बावजूद मात्र 10 महीनों में उत्सव सदन को तैयार करना वास्तव में चुनौतिपूर्ण कार्य था, जिसे पूरा करने में काफी संघर्ष, चुनौती और कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है। लगभग साढ़े सात करोड़ रुपये की लागत से निर्मित दिल्ली पुलिस के इस पहले अत्याधुनिक बैंक्विट हॉल “उत्सव सदन” में 500 से 700 व्यक्तियों का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए समुचित व्यवस्था है, जिसमें मंडप, स्टेज, मॉर्डन किचन, सेंट्रलाइज्ड एसी, रैनवाटर हारवेस्टिंग तथा वाहन पार्किंग आदि की सुविधाएँ शामिल हैं।



पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में पुलिस आयुक्त का भाषण



20 अप्रैल, 2022 को पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, नई दिल्ली में सामाजिक मुद्दों पर आधारित एक कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी डॉ. योगेश श्रीवास्तव, श्री संदीप अग्रवाल, श्री साकेत डालमिया व श्री सौरभ सान्याल सहित काफी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

दिल्ली पुलिस क्रिकेट क्लब का गठन

पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने दिल्ली पुलिस क्रिकेट क्लब का गठन किया है। जिसे भविष्य में दिल्ली पुलिस क्रिकेट टीम की जगह "दिल्ली पुलिस क्रिकेट क्लब" के नाम से जाना जाएगा। जिसके निर्बाध और प्रभावशाली संचालन के लिए एक कमेटी बनाई गई है। दिल्ली पुलिस क्रिकेट क्लब के सचिव उपायुक्त पुलिस (द्वितीय वाहिनी) श्री संजय कुमार द्वारा जारी आदेशानुसार पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना इस क्लब के संरक्षक होंगे। विशेष पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल (चेयरमैन व प्रेजीडेंट), विशेष पुलिस आयुक्त, सशस्त्र पुलिस (वाईस चेयरमैन पदेन), अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री मधुर वर्मा (वाईस प्रेजीडेंट एवं टीम मैनेजमेंट) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री शिवेश सिंह (वाईस प्रेजीडेंट एवं कोर्डिनेशन), उपायुक्त पुलिस श्री संजय सिंह (सचिव), एसआई सुन्ने सिंह (चीफ कोच), एसआई सतीश (कंसलटेंट), हेडकां. रवि (कोच-बेटिंग कम-स्ट्रैथ कंडीशनिंग) तथा हेडकां. परमवीर (कोच बॉलिंग) के दायित्व निभायेंगे।



1 अप्रैल, 2022 को संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री सुरेन्द्र सिंह यादव के विशेष पुलिस आयुक्त के पद पर पदोन्नत होने पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने पदोन्नति चिन्ह (पिपिंग इन सेरेमनी) लगाकर सम्मानित किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के. सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हेड कांस्टेबल (मिनिस्ट्रियल) का 66वां बैच पास-आउट हुआ



10 मई, 2022 को झाड़ौदा कलां स्थित पुलिस अकादमी में आयोजित पासिंग आउट परेड हेड कांस्टेबल (मिनिस्ट्रियल) के 13 प्रशिक्षुओं ने अपना प्रशिक्षण समाप्त कर शपथ ग्रहण की। इस मौके पर पुलिस अकादमी के निदेशक श्री ऋषि पाल ने मुख्य अतिथि के तौर पर परेड की सलामी ली और प्रशिक्षुओं को सम्बोधित किया। हेड कांस्टेबल (मिनिस्ट्रियल) के इस बैच में एक एम फिल, दो एमएससी, तीन एमए, एक एमसीए, पांच एमबीए, एक बीटेक तथा एक बीए जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त प्रशिक्षु शामिल रहे हैं। परेड समाप्त के बाद मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षु हेड कांस्टेबल श्री हरि एन. को ऑल राउंड तथा इंडोर में हेड कांस्टेबल मनीष को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

दिल्ली पुलिस महिलाओं/छात्राओं को हर विकट परिस्थिति से निपटने में सक्षम बनाने का सतत् प्रयास कर रही है: राकेश अस्थाना



दिल्ली पुलिस महिलाओं/छात्राओं को किसी भी अप्रिय परिस्थिति का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए कई वर्षों से सतत् प्रयास कर रही है। आज उसी का परिणाम है कि स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमेन एंड चिल्ड्रन ने 4,57,889 से ज्यादा महिलाओं/छात्राओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया है। इसी श्रृंखला में इस यूनिट ने 16 जून से 27 जून तक 'सशक्ति' आत्मरक्षा ग्रीष्मकालीन कैम्प-2022 शुरू किया जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं एवं छात्राओं ने भाग लिया। 27 जून को सशक्ति कार्यक्रम का समापन समारोह त्यागराज स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर अस्मिता थियेटर ग्रुप ने पितृ समाज में महिलाओं की समस्याओं पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया। 10 दिन चले सशक्ति कार्यक्रम में गृहणियों, वर्किंग विमेन और कॉलेज/स्कूल की छात्राओं ने मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग निःशुल्क में प्राप्त की। इसके अलावा नजफगढ़, शालीमार बाग, गुजरांवाला टाउन, दिलशाद गार्डन व पुष्प विहार में भी ग्रीष्मकालीन शिविर लगाए गए थे। दिल्ली पुलिस द्वारा चलाये गये इस विशेष अभियान में 10,777 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। जिसमें सबसे छोटी उम्र की सात वर्षीय नव्या और सबसे अधिक उम्र की 74 वर्षीय सुश्री कुशमलता प्रोत्साहन का आकर्षण रही। इन विभिन्न ग्रीष्मकालीन शिविरों में दिल्ली पुलिस की 40 प्रशिक्षित विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को ट्रेनिंग दी। इस शिविर में एक विशेष बात यह भी रही कि दृष्टिबाधित लड़कियों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

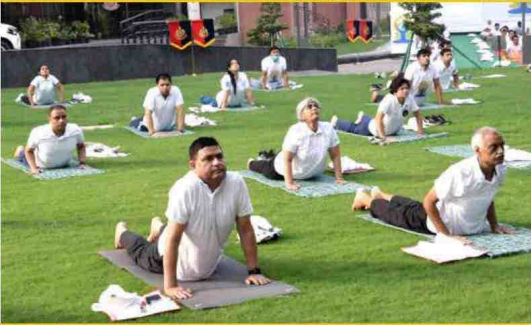
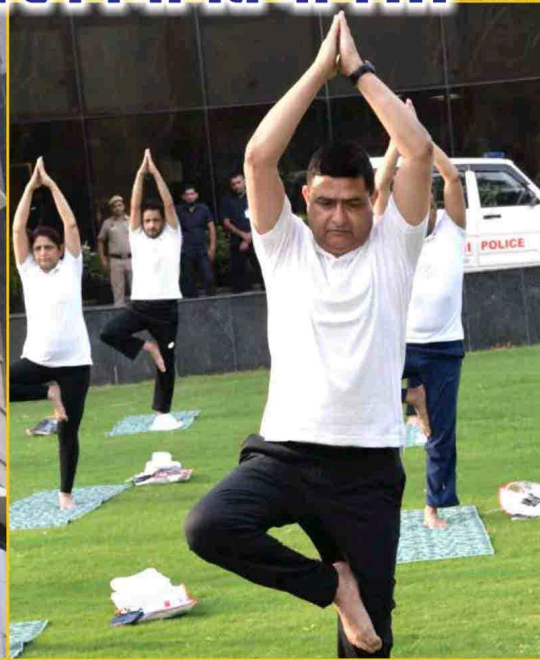


इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने मुख्य अतिथि के तौर पर प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित करते हुए अपने संबोधन में प्रतियोगियों द्वारा सेल्फ डिफेंस स्किल्स सीखने के प्रयासों और सिखाने वाले स्टाफ की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से आत्मरक्षा तकनीक सीखने के लिए अन्य महिलाओं/छात्राओं में जागरूकता फैलाने का भी प्रयास किया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक महिलाएँ/लड़कियाँ ऐसी पहल से लाभान्वित हो सकें। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने इस मौके पर तीन विशिष्ट महिला अतिथियों मैराथन धावक सुश्री डॉ. सुनीता गोदारा, बाक्सर सुश्री पूजा रानी व बाक्सर सुश्री अरुंधति चौधरी द्वारा देश को दिलाये गए सम्मान में उनके योगदान की सराहना की और उन्हें सम्मानित भी किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल, श्री मुकेश मीणा, डॉ० सागर प्रीत हुड्डा, श्री. एस.एस. यादव सहित स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमेन एंड चिल्ड्रन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मियों के साथ-साथ विशेषज्ञ टीम की महिला पुलिसकर्मी भी उपस्थित थीं।





शारीरिक और मानसिक उर्जा का मुख्य स्रोत है नियमित योग ...



पुलिस मुख्यालय सहित विभिन्न जिला/यूनिटों में मनाया गया योग दिवस



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सितंबर 2014 में यूएन में 21 जून का दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया था। उस दौरान यूएन में भारत के प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव का 177 देशों ने समर्थन किया और यूएन ने 21 जून का दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में अपनी मान्यता प्रदान की। तत्पश्चात भारत की इस जनकल्याण से जुड़ी पहल को दुनिया के अधिकांश देशों ने अपनाया विशेष पुलिस आयुक्त (कल्याण) श्रीमती शालिनी सिंह की देखरेख में पुलिस मुख्यालय प्रांगण में योग कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ योग क्रियाएँ की। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि योग जीवन का एक अहम् हिस्सा है इससे सकारात्मक सोच एवं बेहतर स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक उर्जा भी मिलती है। नियमित रूप से योग करने से हम तनावमुक्त रहकर हर प्रकार की चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। है। 21 जून, 2022 को आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में योग कार्यक्रम आयोजित हुए।



दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने भी आयोजित किया योग शिविर

21 जून, 2022 को योग दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने 17, मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में योग शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनु अस्थाना एवं समिति की अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद थीं। योग सत्र के दौरान श्रीमती अनु अस्थाना ने कहा कि सभी उम्र की महिलाओं को नियमित रूप से योग करना चाहिए। योग से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभ के साथ-साथ तनाव से मुक्ति मिलती है और मनोवैज्ञानिक पहलुओं में भी सुधार होता है।



पुलिस आयुक्त इलेवन और सांसद इलेवन के बीच क्रिकेट मैच आयोजित

4 अप्रैल, 2022 की शाम कानून बनाने वाली संसद और कानून लागू करने वाली पुलिस के बीच फिरोजशाह कोटला स्थित अरुण जेटली स्टेडियम में क्रिकेट मैच खेला गया। 20-20 ओवर के इस मैच में पुलिस आयुक्त इलेवन के कप्तान **पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना** ने टॉस जीतकर पहले फिल्डिंग करने का निर्णय लिया। सांसद इलेवन की तरफ से सलामी बल्लेबाज के तौर पर **सांसद श्री मनोज तिवारी श्री विजय दुबे** ने पारी शुरू की। सांसद इलेवन ने तीन विकेट गंवा कर 132 रन बनाये। जबकि सांसद इलेवन टीम के कप्तान **केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर** ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए वहीं पुलिस की तरफ से **उपायुक्त पुलिस श्री सिकंदर सिंह** ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। अंतिम दो गेंदों में दो चौके मारकर पुलिस आयुक्त इलेवन ने छह विकेट से मैच पर जीत हासिल की। यह मैच एकदम टक्कर का और बेहद रोमांचक रहा। परस्पर स्नेह और विश्वास के प्रतीक इस क्रिकेट मैच का दोनों टीमों के खिलाड़ियों के अलावा मीडिया से जुड़े प्रतिनिधियों एवं अन्य उपस्थित दर्शकों ने आनंद उठाया।



टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट-2022 का समारोह सम्पन्न हुआ और पुलिस आयुक्त ने नई पुलिस लाइन में नवनिर्मित क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन भी किया

6 मई, 2022 को नई पुलिस लाइन स्थित नवनिर्मित स्टेडियम में आयोजित टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में दिल्ली पुलिस इलेवन और दीव-दमन पुलिस के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए **पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना** ने प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का हौसला-अफजाई करते हुए कहा कि अनुशासित बलों के बीच हुई ऐसी सौहार्दपूर्ण खेल स्पर्धा से आपसी विश्वास मजबूत होता है। 19 अप्रैल, 2022 को शुरू हुई इस क्रिकेट टूर्नामेंट में मेजबान टीम दिल्ली पुलिस के अलावा न्यायपालिका, गृहमंत्रालय, सीबीआई, आईबी, एनसीआरबी, एसएसबी, जीएनसीटी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और दमन एवं दीव पुलिस की कुल 14 टीमों ने भाग लिया। इस क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में **बीपीआरएंडडी के महानिदेशक श्री बालाजी श्रीवास्तव, विशेष पुलिस आयुक्त श्री सत्येन्द्र गर्ग, श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, श्री मुकेश कुमार, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्रीमती नुजहत हसन, श्री वीरेन्द्र सिंह चहल, श्रीमती गरिमा भटनागर, श्री रवीन्द्र यादव, श्री मधुप तिवारी, श्रीमती शालिनी सिंह, डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, श्री एचजीएस धालीवाल तथा श्री एस. एस.यादव** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे। नवनिर्मित स्टेडियम में फ्लड लाइट सहित अन्य सुविधाएँ मुहैया कराई गई हैं।



पुलिस आयुक्त इलेवन एवं परिवार कल्याण समिति इलेवन के बीच टी-20 मैच आयोजित



2 अप्रैल, 2022 को रोशनआरा क्लब ग्राउंड में पुलिस आयुक्त इलेवन एवं परिवार कल्याण समिति इलेवन के बीच टी-20 मैच खेला गया। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना तथा समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनु अस्थाना मुख्य अतिथि के तौर पर जबकि अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेटर एंड नेशनल सलेक्टर श्री सरणदीप सिंह विशेष अतिथि के तौर पर मैच में शामिल हुए। सीपी इलेवन टीम में सेवार्थ पुलिस अधिकारी/कर्मि जबकि पीएफडब्लूएस की तरफ से पुलिस परिवारों से जुड़े युवाओं ने हिस्सा लिया। सीपी इलेवन टीम ने पीएफडब्लूएस टीम को 4 विकेट से हराकर जीत हासिल की। पुलिस आयुक्त ने विजेता टीम के सदस्यों के साथ-साथ पुलिस परिवारों से जुड़े प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित किया।



दिल्ली पुलिस वेलफेयर यूनिट और अनएकेडमी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

11 अप्रैल, 2022 को दिल्ली पुलिस वेलफेयर यूनिट और अनएकेडमी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। विशेष पुलिस आयुक्त (वेलफेयर) श्रीमती शालिनी सिंह और अनएकेडमी के सह संस्थापक श्री रोमन सैनी ने पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। अनएकेडमी दिल्ली पुलिस के कर्मियों और उनके बच्चों को चार वर्ष के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की श्रृंखला उपलब्ध कराने के साथ-साथ मार्गदर्शन सत्र आयोजित करने और 500 पुलिसकर्मियों के बच्चों को बैग और अध्ययन सामग्री वितरित करेगी। 750 छात्रवृत्तियाँ शुरू करने और 1000 छात्र-छात्राओं को मुफ्त सदस्यता भी दी जाएगी। अनएकेडमी द्वारा सेवारत, सेवानिवृत्त या दिवंगत पुलिसकर्मियों के बच्चों को चुनिंदा पाठ्यक्रमों जैसे यूपीएससी, आईआईटी, जेईई, एनईईट, एनडीए और सीडीएस में 50 प्रतिशत का लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा। भारत के अग्रणी प्रशिक्षण संस्थानों में से एक अनएकेडमी में किसी भी प्रकार की सुविधा लेने के इच्छुक कर्मि श्रीमती सोनाली बंगिया से 7065580581 या श्रीमती आकृति सिंह से 9810108749 से सम्पर्क कर सकते हैं।



दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने रक्तदान शिविर का आयोजन और सिविल सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले पुलिसकर्मियों के बच्चों को सम्मानित किया



14 जून, 2022 को विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने लायंस क्लब और दिल्ली ड्रग्स ट्रेडर्स एसोसिएशन के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया और इस वर्ष सिविल सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले पुलिसकर्मियों के बच्चों को भी सम्मानित किया। इस मौके पर समिति की अध्यक्षा और कार्यक्रम की मुख्य अतिथि **श्रीमती अनु अस्थाना** ने कहा कि सुरक्षित रक्त हर जरूरतमंद को मिले इसके लिए सभी स्वस्थ व्यक्तियों को जब भी संभव हो रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने लायंस क्लब और दिल्ली ड्रग्स ट्रेडर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ-साथ रक्तदान शिविर में शामिल लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस के अधिकारी एवं जवान समय-समय पर रक्तदान कर इस नेक काम के भागीदार बनते आए हैं। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि यहाँ बहुत अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली कि मात्र कुछ समय में ही 104 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ, जो समाज में पुलिसकर्मियों के योगदान को दर्शाता है। इस मौके पर समिति की अध्यक्षा श्रीमती अनु अस्थाना ने सिविल सेवा परीक्षा में सफल रही तीनों लड़कियों को बधाई देते हुए उनके अभिभावकों को भी इस लक्ष्य प्राप्ति में अच्छा मार्गदर्शन और प्रेरित करने के प्रयासों को सराहा। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि, आगामी सिविल सेवा परीक्षा में पुलिस परिवारों से जुड़े लड़के भी शानदार प्रदर्शन कर दिल्ली पुलिस का नाम रोशन करें। इस मौके पर समिति की अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न वेलफेयर सेंटर्स से जुड़े पदाधिकारी भी मौजूद थे।

समिति द्वारा चलाये मेगा वृक्षारोपण अभियान की हुई सराहना

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा पर्यावरण दिवस के मौके पर 5 जून, 2022 को दिल्ली पुलिस की विभिन्न कॉलोनिजों में चलाये वृक्षारोपण अभियान की पुलिस कॉलोनिजों में रहने वाले अनेकों निवासियों ने बहुत सराहना की। समिति की अध्यक्षा **श्रीमती अनु अस्थाना** के नेतृत्व में समिति की अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत 17 मंदर टेरेसा, क्रिसेंट मार्ग से की। इस अवसर पर सीएसआर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री दीपक शंकर, बीएसईएस के संस्थापक निदेशक श्री शेखर महाजन, केयर फॉर यू की वरिष्ठ सलाकार सुश्री दीपा महाजन सहित कई अन्य गणमान्य पदाधिकारी एवं नागरिक भी उपस्थित थे। समिति की अध्यक्षा एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में विभिन्न कल्याण केंद्रों में लगभग 10,000 से अधिक पौधे लगाए गए। इस मौके पर श्रीमती अनु अस्थाना ने कहा कि हमारी समिति केवल पर्यावरण दिवस के मौके पर ही नहीं बल्कि समय-समय पर वृक्षारोपण अभियान चलाती रही है ताकि प्रकृति के प्रति प्रेम और जागरूकता पैदा हो तथा स्थायी और सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा मिले। समिति की अध्यक्षा ने इस नेक काम में मदद करने वाली सहयोग-केयर फॉर यू, बीएसईएस की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा सुरक्षित पर्यावरण की दृष्टि से जितना जरूरी कोई पौधा लगाना होता है उतना जरूरी उस पौधे की देखभाल करना भी होता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से वर्ष में अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल भी करनी चाहिए।



पुलिस मुख्यालय में वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत



13 अप्रैल, 2022 को पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना और पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनु अस्थाना ने पुलिस मुख्यालय में पौधरोपण अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर विभिन्न पदों के 13 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने मेडागास्कर ऑलमंड के पौधे लगाए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि समिति का यह एक शानदार कदम है, जो पुलिस परिसरों को पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल बनाने की दिशा में बेहतरीन प्रयास कर रही है। इससे न केवल कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिलेगी बल्कि हरियाली बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस मुख्यालय को राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित इमारतों में शुमार करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार “ग्रीन एंड क्लीन” रखने पर जोर दिया जाना चाहिए। पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा पुलिस परिजनों के लिए चलाये जा रहे कल्याणार्थ कार्यों की प्रशंसा करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि मेडागास्कर बादाम (जिसे टर्मिनलिया मंटली के नाम से भी जाना जाता है), यह पेड़ न केवल हरियाली प्रदान करता है बल्कि इसकी छाया में अन्य हरी-भरी झाड़ियों का पोषण भी होता है। पौधरोपण की एक विशेष बात यह भी रही कि तीन क्षेत्रों में जो क्रमशः सफेद, पीले और लाल रंग के पौधे लगाए गए हैं वे शांति, सेवा और न्याय के तीनों स्तंभों को दर्शाता है। पुलिस आयुक्त ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को भी ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया ताकि हरियाली को बढ़ावा मिले और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भीषण गर्मी से भी राहत मिले।



पुलिस परिवार कल्याण समिति ने दिल्ली स्ट्रीट आर्ट के सहयोग से उपायुक्त पुलिस (दक्षिण दिल्ली) कार्यालय की बाहरी दीवारों पर शानदार वॉल आर्ट बनवाए। इन शानदार वॉल आर्ट से दक्षिणी जिला में तैनात पुलिस अधिकारी एवं कर्मी काफी रोमांचित हुए।

पुलिस परिवार कल्याण समिति अपने स्वर्ण जयंती के मौके पर विभिन्न कल्याण केंद्रों में पीएफडब्ल्यूएस सप्ताह मनाया



समिति ने अपनी स्वर्ण जयंती के मौके पर अपने सभी कल्याण केंद्रों में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसमें खाना खजाना प्रतियोगिता, मैत्री क्रिकेट मैच, कवि सम्मेलन, कठपुतली व जादू का खेल, सौंदर्य सत्र, आत्मरक्षा सत्र, रागिनी संध्या व महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम आयोजित किए। इन प्रतियोगिताओं में दिल्ली पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर समिति की अध्यक्षा श्रीमती अनु अस्थाना ने कहा कि, समिति का प्रयास होगा कि आने वाले समय में पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं एवं बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए एक शानदार प्लेटफार्म उपलब्ध कराएं।

समिति द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर साईकिल के उपयोग और पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया



4 जून को विश्व पर्यावरण दिवस एवं विश्व साईकिल दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने अपने सभी कल्याण केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित कर साईकिल के अधिकतम उपयोग और पौधारोपण के लिए बच्चों एवं नागरिकों को जागरूक किया। इस मौके पर समिति द्वारा आयोजित 'पेडल पीएफडब्ल्यूएस' कार्यक्रम को भी काफी सराहा गया। इस मौके पर आयोजित साईकिल दौड़ प्रतियोगिता में प्रतियोगियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और समिति की अध्यक्षा श्रीमती अनु अस्थाना ने विजेताओं को पुरस्कार देते हुए जलवायु संरक्षण के लिए भी प्रेरित किया।

समिति द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन



समिति ने अपने विभिन्न कल्याण केंद्रों में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जिसमें नेत्र चिकित्सा व दंत चिकित्सा आदि की जांच का सैकड़ों पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों ने लाभ उठाया।

पुलिस आयुक्त द्वारा उत्तर-पश्चिमी जिला में पुनर्निर्मित पुलिस लाइन परिसर का उद्घाटन

24 जून, 2022 को पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने उत्तर-पश्चिमी जिला में विभिन्न सुख-सुविधाओं से बनी पुनर्निर्मित पुलिस लाइन परिसर का उद्घाटन किया। नवनिर्मित पुलिस लाइन परिसर में आधुनिक बैरक, पुरुष कर्मियों के लिए “निलय”, महिला कर्मियों के लिए “अक्षी” और मल्टी टास्किंग स्टाफ के लिए “निकुंज”, प्रशिक्षण परिसर “दीक्षा”, मनोरंजन हॉल “निर्विन” बैडमिंटन कोर्ट, मंच, आधुनिक सम्मेलन हॉल “मंथन” व रिजर्व कार्यालय परिसर जैसी बेहतर बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं ताकि पुलिसकर्मी मानसिक एवं शारीरिक तौर पर आराम कर पुनः अपने कर्तव्यों के प्रति तत्पर रहें। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि विभिन्न सुख-सुविधाओं से सम्पन्न यह पुलिस लाइन पुलिसकर्मियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगी। किसी भी आपात स्थिति या कानून-व्यवस्था से निपटने के लिए तैनात रिजर्व बल के सदस्यों को भी ये सुविधाएँ काफी उत्साहित करेंगी। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्तव्य पालन के दौरान स्वस्थ मन और स्वस्थ शरीर की अनिवार्यता होती है। इस मौके पर उपायुक्त पुलिस श्रीमती उषा रंगनानी ने कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का स्वागत करते हुए पुनर्निर्मित जिला पुलिस लाइन परिसर में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के.सिंह, श्रीमती एस. सुंदरी नंदा, श्री मुकेश कुमार मीणा, श्री संजय सिंह, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्रीमती नुजहत हसन, श्री विरेन्द्र सिंह चहल, श्री रवीन्द्र यादव, श्री मधुप कुमार तिवारी, डॉ० सागर प्रीत हुड्डा, श्रीमती शालिनी सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री विवेक किशोर, उपायुक्त पुलिस श्रीमती उषा रंगनानी सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।



अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के मौके पर पुलिस आयुक्त एवं एम्स निदेशक ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के मौके पर आयोजित साइकिल रैली को पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि नशा एक ऐसी बीमारी है, जो युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में ले रही है, उन्हें बीमार बना रही है। शराब, सिगरेट, तम्बाकू, मादक द्रव्य पदार्थों का सेवन करके युवा वर्ग नशे का शिकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस साइकिल रैली का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना है। इस मौके पर दिल्ली पुलिस के कई अन्य जिलों ने भी अपने-अपने क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने की दिशा में कार्यक्रम आयोजित किये।



पुलिस आयुक्त ने किया बिंदापुर थाना परिसर में सामुदायिक शिक्षा केंद्र का उद्घाटन



दिल्ली पुलिस कम्युनिटी पुलिसिंग को ज्यादा सशक्त और मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठा रही हैं। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने 5 अप्रैल, 2022 को पश्चिमी परिक्षेत्र के थाना बिंदापुर परिसर में आधुनिक सामुदायिक शिक्षा केंद्र का उद्घाटन किया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि दिल्ली पुलिस अपनी कार्यशैली में समाज का सहयोग चाहती है और साथ ही समाज में अपनी भागीदारी भी सुनिश्चित करना चाहती है। यह सामुदायिक शिक्षा केंद्र संगम एजुकेशन ट्रस्ट के सहयोग से बनाया गया है। पुलिस आयुक्त ने संगम एजुकेशन ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि यह शिक्षा केंद्र साधन वंचित किशोरों, व्यसनी, स्कूल छोड़ने वालों, अपराध पीड़ितों व समाज के कमजोर तबके के युवाओं के लिए काफी कारगर साबित होगा। इस केंद्र में युवाओं के लिए ऐसी शिक्षा का प्रावधान होगा जिसमें उन्हें कंप्यूटर में निपुणता, फाइनेंशियल अकाउंटिंग, लघु प्रशिक्षण व जीवनयापन से जुड़ी शिक्षा दी जाएगी जिससे वे सार्थक जीवन जीने के लिए प्रेरित हों। इस कंप्यूटर लैब व लाइब्रेरी में उच्च गति के इंटरनेट के साथ जुड़े 24 डेस्कटॉप व काफी संख्या में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो युवाओं को जीविका उपार्जन के अवसर प्रदान करने में सहायक होंगी। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को संबंधित कोर्स का सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा जिससे कि वे रोजगार के लिए आवेदन कर सकें। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक, डॉ० सागर प्रीत हुड्डा, श्री विरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री चिन्मय बिस्वाल, लाडली फाउंडेशन के चेयरमैन देवेन्द्र गुप्ता, आईएसीटीए के श्री राजीव कुमार, पूर्व आईपीएस अधिकारी व संगम एजुकेशन सोसाइटी के संस्थापक श्री कुलदीप कुमार तथा डॉ० ईश कुमार सहित पश्चिमी परिक्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण एवं कर्मी मौजूद थे।



फोटोग्राफर रोजर जोसफ को पुलिस आयुक्त ने पदोन्नति चिन्ह लगाकर सम्मानित किया



दिल्ली पुलिस का कोई भी छोटा या बड़ा कार्यक्रम क्यों ना हो, कार्यक्रम के दौरान अधिकांश अधिकारियों एवं कर्मियों की नजरें दिल्ली पुलिस के अनुभवी, समर्पित और हसंमुख फोटोग्राफर रोजर जोसफ पर जरूर रहती है। सच कहूँ तो कार्यक्रम में हर अधिकारी या कर्मी की एक इच्छा होती है कि रोजर मेरी भी फोटो खींचे, कोई इशारों में, तो कोई कह कर रोजर का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करता नजर आता है, कि भाई ध्यान रखना। फोटोग्राफर रोजर का भी यथासंभव प्रयास रहता है कि कार्यक्रम समाप्त होते ही प्राथमिकता के आधार पर पहले सरकारी कार्य को समाप्त कर लिया जाए तदोपरांत सभी को उनके फोटो मुहैया करा दिये जाए। अपनी व्यवहार कुशलता और कद-काठी के लिए दिल्ली पुलिस में विख्यात फोटोग्राफर रोजर के काम की समय-समय पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सराहना करते रहे हैं। दिल्ली पुलिस के प्रमुख समारोह पुलिस स्थापना दिवस, सत्कार समारोह, विदाई समारोह, स्मरणोत्सव परेड, गणतंत्र

दिवस परेड आदि जैसे अनेकों मौकों पर रोजर जोसफ की फोटोग्राफी की हर कोई प्रशंसा करता है। अभी हाल में दिल्ली पुलिस में पदोन्नति की जो बहार आई उसमें हेडकां. रोजर जोसफ भी एसएसआई पद पर पदोन्नत हुए। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने भी फोटोग्राफर रोजर जोसफ की सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें अपने कार्यालय में पदोन्नत चिन्ह लगाकर सम्मानित किया है।

पुलिस आयुक्त ने जम्मू-कश्मीर के छात्रों को युवा कार्यक्रम के तहत पेशेवर प्रशिक्षण देकर रोजगार दिलाने में मदद का भरसा दिलाया



20 मई, 2022 को जम्मू-कश्मीर के रियासी और बांदीपोरा जिले के 11 से 21 वर्ष की आयु के 172 बच्चों ने पुलिस मुख्यालय का दौरा किया। केंद्रीय गृहमंत्रालय के सद्भावना उपायों के तहत जम्मू कश्मीर पुलिस ने अपने 172 बच्चों को दिल्ली, चैन्नई और बेंगलुरु में भारत दर्शन यात्रा पर भेजा था। दिल्ली पुलिस ने इन युवाओं का स्वागत करते हुए उनके रहने खाने-पीने की व्यवस्था करते हुए अच्छे से ध्यान रखा। 20 मई को आदर्श सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के.सिंह, श्री संजय बेनीवाल और श्रीमती एस.संदुरी नंदा ने इन युवाओं को संबोधित करते हुए दिल्ली पुलिस की उपलब्धियों और अन्य पुलिस संगठनों के बीच परस्पर प्रगाढ़ संबंधों के बारे में बताया। इस मौके पर दिल्ली पुलिस ने युवाओं को दिल्ली पुलिस के इतिहास, युवा पहल और दिल्ली पुलिस अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रम पर आधारित लघु रचनात्मक फिल्में भी दिखाई तो रियासी और बांदीपोरा जिले से आये युवाओं ने अपनी भाषा में लोकगीत सुनाये। युवाओं ने शानदार आवभगत के लिए दिल्ली पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। कई बच्चों ने बताया कि उन्होंने तो जीवन में रेलयात्रा तक नहीं कि जबकि इस कार्यक्रम के तहत हवाई यात्रा करने तक का मौका मिला।



पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने जेएंडके पुलिस के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए दिल्ली पुलिस ऐसे रचनात्मक और परस्पर जोड़ने वाले कार्यक्रमों का बढ़-चढ़ कर स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं कि हर भाषा का ज्ञान हो परन्तु उसकी ताल व लय से उसके भावार्थ को जरूर महसूस किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर के इन युवाओं द्वारा प्रस्तुत लोकगीत और विचारों ने हमें प्रभावित किया है। खेल और संगीत के महत्व को रेखांकित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि इस तरह के शौक न केवल तनाव मुक्त करते हैं बल्कि आपको अपने प्राकृतिक स्वरूप से बाहर लाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि आप दुनिया भर में कहीं भी रहें या यात्रा करें, सबकी जरूरतें, इच्छाएँ और उत्साह एक समान रहता है। उन्होंने कहा विभिन्न विविधताओं से परिपूर्ण भारतवर्ष एक सुदृढ़ व

मजबूत माला में पिरोया देश है। पिछले दिनों जेएंडके राज्य में कठिन समय में अलगाव के कारण जो अंतराल उत्पन्न हुआ था, ऐसे कार्यक्रम उन्हें पाटने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने कहा कि दिल्ली पुलिस आगामी कुछ महीनों में लगभग 10 हजार युवाओं को अपनी युवा पहल के तहत पेशेवर प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें रोजगार की तरफ उन्मुख करने जा रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ यहाँ युवाओं से भी अनुरोध करना चाहूँगा कि जेएंडके पुलिस के दिवंगत पुलिसकर्मियों के बच्चों के अलावा भी कुछ युवा दिल्ली पुलिस की युवा पहल के तहत जुड़ना चाहे तो उनका स्वागत होगा। दिल्ली पुलिस उन्हें पेशेवर प्रशिक्षण दिलाकर रोजगार दिलाने में यथासंभव सहयोग करेगी। दिल्ली प्रवास के दौरान इन युवाओं ने चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक स्थल, संसद भवन, इंडिया गेट और मेट्रो ट्रेनों जैसे स्थलों का दौरा किया और दिल्ली शहर के कई वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रसिद्ध हस्तियों से मुलाकात की। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्तों के साथ-साथ काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

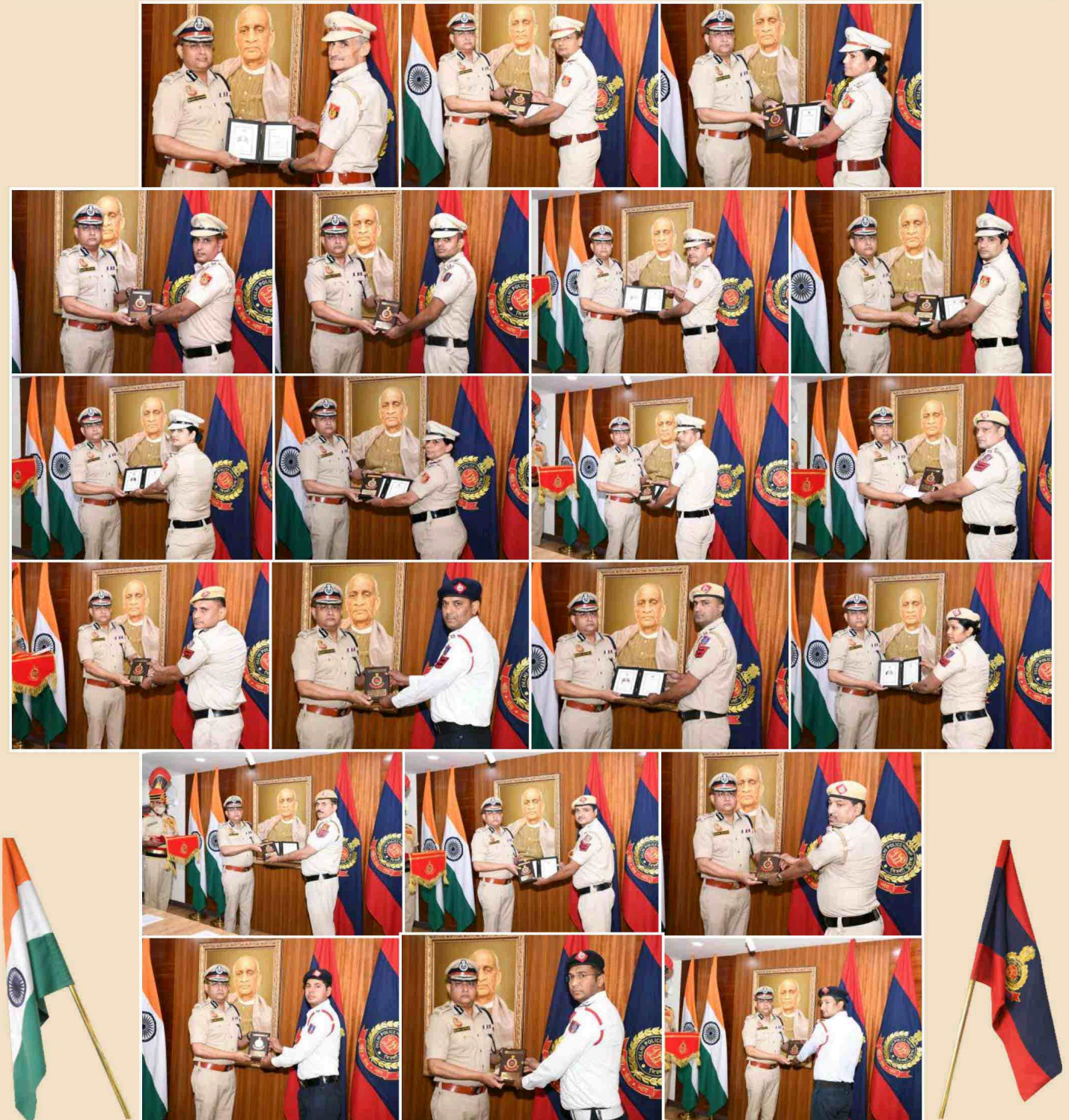


जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा आयोजित "भारत दर्शन" यात्रा की श्रृंखला में 28 मई, 2022 को जम्मू-कश्मीर के 44 बच्चों ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना से भेंट की। पुलिस आयुक्त ने बच्चों के इस समूह से बातचीत के दौरान उन्हें एक शिक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया और दिल्ली पुलिस की विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बच्चों को दिल्ली पुलिस की "युवा" योजना की विशेषताओं के बारे में बताते हुए उन्हें भविष्य में दिल्ली पुलिस से अपेक्षित किसी प्रकार के सहयोग के लिए आश्वासन दिया। भारत दर्शन पर आए बच्चों का यह समूह लाल किला, लॉटस टेंपल और कुतुब मीनार के दर्शन करने के बाद अगले दिन मुंबई के लिए रवाना हुआ। 9 जून, 2022 को भी पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने पुलिस मुख्यालय के विमर्श सभागार में जम्मू-कश्मीर से आए 70 बच्चों से मुलाकात की। इस मौके पर काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे।



“किससा खाकी का” कार्यक्रम प्रसारण के दौरान पुलिस आयुक्त ने 21 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

24 अप्रैल, 2022 को पुलिस आयुक्त श्री राकेश अस्थाना ने हर रविवार दोपहर 2 बजे दिल्ली पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रसारित होने वाले “किससा खाकी का” कार्यक्रम के दौरान 21 पुलिसकर्मियों को स्मृतिचिन्ह, सम्मान पत्र तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इन जांबाज पुलिसकर्मियों ने ड्यूटी के दौरान साहस, समर्पणभाव, दृढ़ता तथा तत्परता के साथ पुलिस कार्यवाही को अंजाम दिया था। आजादी के 75वें वर्षगांठ को लेकर देशभर में मनाए जा रहे “आजादी का अमृत महोत्सव” कार्यक्रम बैनर के तले दिल्ली पुलिस ने 16 जनवरी, 2022 को “किससा खाकी का” सीरीज शुरू की थी। जिसके तहत हर रविवार को पॉडकास्ट के जरिये प्रसारित होने वाले कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों द्वारा किये साहसिक कार्यों के बारे में बताया जाता है। 24 अप्रैल, 2022 को 16वें पॉडकास्ट का प्रसारण हुआ जिसमें इंस्पेक्टर हीरालाल, इंस्पेक्टर विनोद अहलावत, महिला इंस्पेक्टर सरोज सिंह, एसआई किशन लाल, एसआई अमित कुमार, एसआई सोनू बैसला, महिला एसआई प्रीति, एसआई किरण सेठी, एसआई ज्योति, महिला हेडकां. मुकेशी, हेडकां. शंकर लाल, हेडकां राजीव, हेडकां. संदीप साही तथा कांस्टेबल थान सिंह को पुलिस आयुक्त ने प्रोत्साहित किया।



अप्रैल, मई व जून, 2022 में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



एसीपी श्री ओमप्रकाश लेखपाल (नई दिल्ली)



एसीपी श्री इन्द्रजीत सिंह (विशेष शाखा)



एसीपी श्रीमती रीना शर्मा (एफआरआरओ)



एसीपी श्री प्रदीप कुमार (तृतीय वाहिनी)



एसीपी श्री नौशाद पी.एस. (भूमि एवं भवन)



एसीपी श्री विरेन्द्र ठाकरान (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ)



एसीपी श्री दिनेश कुमार (नई दिल्ली)



उपायुक्त पुलिस श्री अमरनाथ मीणा (संचार)

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को पुलिस परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएँ

माह अप्रैल, मई व जून में दिल्ली पुलिस की जिला इकाईयों से सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु व सुखसमृद्धि के लिए कामना करते हैं।



संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री ब्रज किशोर (परिवहन परिक्षेत्र)



संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रूपेन्द्र कुमार (सुरक्षा)

जून माह में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



1987 एग्मू कैडर के आईपीएस अधिकारी श्री सत्येन्द्र गर्ग 30 जून, 2022 को विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) के पद से सेवानिवृत्त हुए। दिल्ली पुलिस के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर सफलतापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन करने वाले श्री सत्येन्द्र गर्ग ने गोवा, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में भी अपनी शानदार कार्यकुशलता का परिचय दिया है। उन्होंने गृहमंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वोत्तर) के रूप में सफलतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। विभिन्न क्षमताओं के धनी श्री सत्येन्द्र गर्ग को वर्ष 2008 में सराहनीय सेवाओं के लिए और वर्ष 2016 में विशिष्ट सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। पांच वर्षों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पूरी करने के बाद उन्हें महानिदेशक अंडमान-निकोबार नियुक्त किया गया तथा मार्च 2022 में दिल्ली स्थानांतरित होने पर उन्होंने विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) के रूप में अपनी सेवाएँ दी। वर्ष 2010 में संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) के तौर पर काम करते राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान विश्व स्तरीय यातायात संचालित करने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ चलाई गई उनकी मुहिम को सराहा गया।



एसीपी श्री रणधीर सिंह (पूर्वी जिला)



एसीपी श्रीमती कंचन (संचार)



एसीपी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा (विशेष प्रकोष्ठ)



एसीपी श्री राजसिंह (पुलिस अकादमी)



एसीपी श्री अमरपाल वर्मा (अपराध शाखा)



एसीपी श्री ललित जोशी (पुलिस मुख्यालय)

एसीपी श्री दिनेश शर्मा की सुपुत्री सिविल जज चयनित हुई



एसीपी श्री दिनेश शर्मा एवं उनकी सुपुत्री दिव्या शर्मा

बाहरी-उत्तरी जिला के डीआईयू में तैनात एसीपी श्री दिनेश शर्मा की सुपुत्री दिव्या शर्मा ने मध्य प्रदेश न्यायाधिक सेवा (सिविल जज) उत्तीर्ण कर अपने अभिभावकों एवं पुलिस परिवार का नाम रोशन किया है। 23 अप्रैल, 2022 को ग्वालियर स्थित मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा जारी परिणाम में दिव्या शर्मा ने 88वाँ रैंक हासिल कर शानदार सफलता अर्जित की है।

दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी और एलएलएम करने वाली दिव्या शर्मा का प्रारंभ से ही एक सपना रहा कि वे देश के किसी भी हिस्से में न्यायिक सेवा से जुड़ कर सामाजिक न्याय व्यवस्था में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। दिव्या शर्मा को दिल्ली पुलिस परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएँ।



एसीपी श्री बलराम रंगरसिया (दक्षिण पूर्वी जिला)

शुभकामनाएँ

माह मार्च, अप्रैल व मई, 2022 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/इकाईयों से 694 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए हैं। इनमें 39 पुलिसकर्मियों ने स्वेच्छिक सेवानिवृत्त ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्त होने वाले सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को उनके अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और पारिवारिक सुखसमृद्धि की कामना करता है।

माह मार्च, 2022 में सेवानिवृत्त होने वाले 218 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं:- एएसआई तविन्द्र सिंह (स्पेशल सेल), एएसआई जगदीश चन्द्र, एएसआई हुकम सिंह, एएसआई राजबीर सिंह, एएसआई राम चन्द्र सिंह, एएसआई बिजेन्द्र सिंह, एएसआई गुगन सिंह, एएसआई रमेश कुमार, हेका. मोहन सिंह व हेडका. मुख्तार अली (उत्तर-पश्चिमी जिला), इंस्पेक्टर विक्रम सिंह राठी, एएसआई नरेश कुमार व एएसआई कृष्ण सिंह (एसपीयूडब्ल्यूएसी), हेका. कृष्ण (राष्ट्रपति भवन), एएसआई हरवीर सिंह, एएसआई विरेन्द्र सिंह व एएसआई मुकेश (प्रथम वाहिनी), एएसआई महेन्द्र कुमार शर्मा व एएसआई पुष्पेन्द्र (दक्षिण-पूर्वी जिला), एएसआई सतीश कुमार, एएसआई प्रीतम सिंह, एएसआई वेद प्रकाश, एएसआई ऋषिपाल, एएसआई राजबीर सिंह व हेका. अवधेश बिहारी सिंह (उत्तरी जिला), महिला एएसआई नीलम रानी, एएसआई सत्यबीर सिंह, एएसआई महिपाल, एएसआई सतीश कुमार, एएसआई सुरेन्द्र व एमटीएस बोदन (दक्षिणी जिला), इंस्पेक्टर विजेन्द्र सिंह डांगी, एएसआई ओमपाल, एएसआई मातू राम, एएसआई जय प्रकाश व हेका. कुलदीप सिंह (मध्य जिला), इंस्पेक्टर रविन्द्र, एएसआई वीर सिंह, एएसआई ओम प्रकाश, एएसआई धर्मवीर सिंह, एएसआई आनन्द सिंह, एएसआई रमेश चन्द्र, एएसआई नरेश कुमार, एएसआई जगवीर सिंह, एएसआई सत्य नारायण व हेका. रमेश कुमार (दिल्ली पुलिस अकादमी झड़ोदा कलां), एमटीएस ओम प्रकाश (पाचवीं वाहिनी), एएसआई गुरुदत्त, एएसआई रणबीर सिंह, एएसआई सुखबीर सिंह व हेका. घनश्याम (नई दिल्ली जिला), एएसआई महिपाल सिंह, एएसआई ब्रह्म सिंह व एएसआई इन्द्रजीत सिंह (शाहदरा जिला), एएसआई अशोक कुमार, एएसआई ओमपाल, एएसआई सुखबीर सिंह, एएसआई शिव चरण, एएसआई ब्रह्म प्रकाश व हेका. पाले राम महेला (रोहिणी जिला), एएसआई निहाल सिंह, एएसआई राम स्वरूप, एएसआई शिव कुमार, एएसआई कमल सिंह, महिला एएसआई दर्शन कौर व एएसआई सत्यपाल सिंह (दक्षिण-पश्चिमी जिला), एएसआई यशपाल, एएसआई सुभाष व हेका. राजेन्द्र सिंह (मेट्रो), एएसआई देवेन्द्र कुमार, एएसआई जगराम सिंह व एमटीएस सत्य प्रकाश (तृतीय वाहिनी), एएसआई रणबीर सिंह, एएसआई सुरेश चन्द्र, एएसआई साहब सिंह, एएसआई बलवान सिंह व एएसआई जगबीर सिंह (बाहरी जिला), एएसआई विशम्बर दयाल, हेका. राम कुमार व हेका. अनिल कुमार (आई.जी.आई. एयरपोर्ट), एएसआई राम दया, एएसआई महिपाल, एएसआई बलराम व कांस्टेबल महेन्द्र सिंह यादव (बाहरी-उत्तरी जिला), एएसआई हरिओम, एएसआई मेहन्द्र कुमार सैनी, एएसआई सुमेर सिंह, एएसआई सुभाष चन्द्र, हेका. बुद्धराम सिंह व हेका. संतोष कुमारी (पश्चिमी जिला), एएसआई सुन्दर लाल व एएसआई गुलजार चन्द्र (दूसरी वाहिनी), एएसआई बाबू लाल, एएसआई दिलबाग सिंह, एएसआई जगदीश, एएसआई कैलाश चन्द्र, एएसआई कृष्ण सिंह, एएसआई कुलदीप सिंह, एएसआई महाबीर कुमार, एएसआई

पदम सिंह, एएसआई राज कपूर, एएसआई राजबीर सिंह, एएसआई राजेन्द्र सिंह, एएसआई रमेश चन्द्र, एएसआई रामेश्वर दयाल, एएसआई रोहताश कुमार रंगा, एएसआई संजय कुमार, एएसआई श्रीराम, एएसआई उमेश सिंह, एएसआई विनोद कुमार, एएसआई विरेन्द्र सिंह, एएसआई वासी हैदर, एएसआई यशवीर सिंह, एएसआई महेन्द्र सिंह, एएसआई भईया राम, एएसआई दलबीर सिंह, एएसआई अनिल कुमार, एएसआई बालकिशन, एएसआई अलदो के.एम, एएसआई गोपाला कृष्णन नायर, एएसआई हरेन्द्र पाल मलिक, एएसआई माया राम शर्मा, एएसआई राजबीर सिंह, एएसआई सरणवीर सिंह, एएसआई सुबे सिंह, एएसआई श्री किशन, एएसआई करणवीर, एएसआई लियॉगसंग पुई व एएसआई सुरेन्द्र कुमार (सुरक्षा) इंस्पेक्टर शकुंतला देवी, एएसआई लोकेश रानी, एएसआई दलबीर सिंह, एएसआई राम कुमार, एएसआई किशोर चन्द्र, एएसआई कुनचरिया टी. टी व एएसआई संजय बंसल (परिचालन व संचार), एएसआई रामपाल, एएसआई राम निवास, एएसआई धीरज सिंह, एएसआई जगदीश, एएसआई राजपाल, एएसआई बलवीन्द्र सिंह, एएसआई महेश कुमार, एएसआई जय किशन, हेका. करणबीर, हेका. बिजेन्द्र सिंह व हेका. सुरजभान (द्वारका जिला), एएसआई सुरेन्द्र सिंह (एफआरआरओ), महिला/एएसआई शशि प्रभा (छठी वाहिनी), एएसआई पवन कुमार, एएसआई विजय शंकर व एएसआई राज कुमार (सातवीं वाहिनी), एएसआई जय प्रकाश, एएसआई जय प्रकाश व एएसआई चाप सिंह (पीएंडएल), इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह, एएसआई बस्ती राम, एएसआई दवेश कुमार, एएसआई रामफल, एएसआई सुरेन्द्र सिंह, एएसआई सत्यवीर सिंह, एएसआई धर्मपाल, एएसआई बलबंत सिंह, एएसआई भूप सिंह, एएसआई बिजेन्द्र सिंह, एएसआई देव दत्त एएसआई हरस्वरूप, एएसआई हरेन्द्र सिंह, एएसआई जगत सिंह, एएसआई कैलाश चन्द्र, एएसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई महाबीर सिंह, एएसआई राजेन्द्र सिंह, एएसआई रमेश चन्द्र, एएसआई रमेश कुमार, एएसआई सतपाल सिंह, एएसआई वेनू गोपाल, एएसआई योगेश दत्त, हेका. द्वारका प्रसाद व हेका. उदयन बी. (पीसीआर), एएसआई बाबू राम, एएसआई तेजवीर सिंह, एएसआई टेक राम, एएसआई वेपाल, एएसआई विरेन्द्र कुमार, हेका. ओम प्रकाश, हेका. जोगिन्द्र सिंह, व हेका. हरेन्द्र सिंह (पूर्वी जिला), एएसआई राम चन्द्र, एएसआई ऋषि राम, एएसआई वेद प्रकाश, एएसआई राम कुमार, एएसआई सरस पाल सिंह, एएसआई सुभाष मलिक, एएसआई जगदीश चन्द्र, एएसआई जसवीर सिंह, एएसआई अशोक कुमार, एएसआई नरेन्द्र कुमार, एएसआई करतार चन्द्र, एएसआई राजपाल सिंह व एएसआई मनी राम (यातायात), एएसआई नरेन्द्र कुमार (पुलिस मुख्यालय), एएसआई ओम प्रकाश, एएसआई सत्य प्रकाश, एएसआई करण सिंह व नरेश कुमार (विशेष शाखा)।

माह अप्रैल, 2022 में सेवानिवृत्त होने वाले 228 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं:- हेका. ओमबीर सिंह (रेलवे), महिला एएसआई चम्मन देवी, एएसआई जयवीन्द्र सिंह, एएसआई परमवीर सिंह, एएसआई मोहम्मद अली, एएसआई चन्द्र फूल सिंह व एमटीएस सत्यबीर सिंह (शाहदरा जिला), एएसआई ओम प्रकाश, एएसआई नरेन्द्र सिंह व हेका. राम निवास (अपराध शाखा), एमटीएस अमृत लाल (आई आर बटालियन), एएसआई रामा रो व हेका. राजपाल सिंह (दक्षिणी जिला), एमटीएस जयपाल सिंह

(स्पेशल सेल), एसआई कविन्द्र सिंह व एसआई नरेन्द्र सिंह (पांचवी वाहिनी), एसआई रामफल सिंह, एसआई नरेन्द्र सिंह, एसआई बंटी कुमार व एसआई सुनील कुमार (मध्य जिला), एसआई नारायण सिंह, एसआई सुरेश चन्द्र, एसआई रोहतास सिंह, एसआई ओम प्रकाश, एसआई फूल कर्वर, महिला एसआई मंजू शर्मा, एसआई रमेश चन्द्र, एसआई सत्यपाल सिंह व एसआई नरबदेशवर सिंह (उत्तर-पश्चिमी जिला), एसआई सुरेन्द्र व एसआई ओम प्रकाश (राष्ट्रपति भवन), इंस्पेक्टर अजब सिंह, एसआई जुगल किशोर, एसआई बिजय पाल शर्मा, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई धर्मवीर सिंह व हे.का. अनिल कुमार (दक्षिण-पश्चिमी जिला), इंस्पेक्टर पुष्पा लता चौहान (ईओडब्ल्यू), एसआई किशोर कुमार (चतुर्थ वाहिनी), एसआई विजय राम व एसआई नत्थूराम (एफआरआरओ), सहायक आयुक्त पुलिस ओम प्रकाश लेखववाल, एसआई लखमी नारायण, एसआई सुरेन्द्र कुमार, एसआई धर्मराज, एसआई समर पाल, हे.का. सही राम व हे.का. राम करण (नई दिल्ली जिला), एसआई सुभाष चन्द्र व एसआई राकेश चन्द्र (मेट्रो), एसआई सज्जन पाल सिंह, एसआई रोहतास, एसआई हरि ओम, एसआई सुन्दर, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई कृष्ण कर्वर, एसआई विनोद कुमार, एसआई रमेश कुमार व हे.का. श्याम फुल (बाहरी जिला), एसआई दलबीर सिंह (दूसरी वाहिनी), एसआई नाथोली व एसआई सुकांत अली (दक्षिण-पूर्वी जिला), एसआई सत्यवान सिंह, एसआई अजय सिंह, एसआई अरुण कुमार, एसआई नरेश कुमार, एसआई सुखबीर सिंह, एसआई अशोक कुमार व सतनाम सिंह (प्रथम वाहिनी), एसआई बाबू लाल, एसआई प्रताप सिंह, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई कृष्ण चन्द्र, महिला/एसआई पुष्पा, हे.का. जगदीश, एमटीएस मणिकांत ठाकुर व एमटीएस संतरा देवी (दिल्ली पुलिस अकादमी), एसआई वीरेन्द्र सिंह, एसआई दलबीर सिंह, एसआई वेद प्रकाश, एसआई नरेश कुमार, एसआई वीरेन्द्र सिंह, एसआई रामनिवास, एसआई बिरेन्द्र सिंह, एसआई नरेश कुमार, एसआई जय भगवान, एसआई राजपाल सिंह व एसआई धर्मवीर सिंह (रोहिणी जिला), महिला एसआई कमलेश कुमार, एसआई जया लाल व महिला एसआई सरेला टर्की (पीएंडएल), एसआई जसबीर व हे.का. सुरेश कुमार (उत्तरी जिला), एसआई जगबीर सिंह, एसआई अनूप गौतम, एसआई बलगेन्द्र कुमार, एसआई ओमबीर सिंह, एसआई बाबू लाल, एसआई रेनू बली, एसआई अशोक कुमार, एसआई श्रीओम, एसआई विनय कुमार पाल, एसआई सुरेश कुमार, एसआई महेन्द्र सिंह, एसआई सुरेन्द्र पाल सिंह व एसआई मोहित शर्मा (परिचालन व संचार), एसआई बलराज, एसआई जवाहर लाल, एसआई राम देव, एसआई सत्यदेव सिंह, एसआई मिथन लाल व एमटीएस इन्द्र सिंह (बाहरी-उत्तरी जिला), एसआई ऋषि राज, एसआई दलबीर सिंह, एसआई सुशील कुमार, एसआई राजा राम, एसआई सतीश कुमार, एसआई रोहतास कुमार व हे.का. राजबीर (पश्चिमी जिला), एसआई राजेन्द्र कुमार, महिला एसआई उपकार कौर, एसआई हरपाल सिंह व एसआई गोविन्द स्वरूप (उत्तर-पूर्वी जिला), एसआई रामपाल सिंह व एसआई दलबीर सिंह (तृतीय वाहिनी), सहायक आयुक्त पुलिस विरेन्द्र सिंह, इंस्पेक्टर कमलेशवर, एसआई जय प्रकाश, महिला एसआई शीला देवी, एसआई कृष्ण कुमार, एसआई मुरली मनोहर, एसआई रमेश चन्द्र, एसआई रमेश चन्द्र, एसआई सुरेश कुमार, एसआई राजबीर सिंह, एसआई वेद प्रकाश व एसआई विरेन्द्र सिंह (पीसीआर), एसआई नरेश कुमार व एसआई कलविन्द्र सिंह (छठी

वाहिनी), एसआई रमेश चन्द्र, एसआई रोहतास, महिला एसआई संतो देवी, महिला एसआई कृष्णा, एसआई जितेन्द्र सिंह व एसआई सुरजभान (द्वारका जिला), एसआई मदन लाल, एसआई तेजपाल सिंह, एसआई दिलबाग सिंह व आनन्द स्वरूप (विशेष शाखा), एसआई सतेन्द्र पाल, एसआई नगेन्द्र कुमार चौहान, एसआई भगवत दयाल, एसआई बिजेन्द्र सिंह व महिला हे.का. पुष्पा रानी (पूर्वी जिला), एसआई सुरेन्द्र कुमार व एसआई सतपाल सिंह (सतर्कता शाखा), एसआई बीलू सिंह व एसआई नरेन्द्र सिंह (एसपीयूडब्ल्यूएसी), एसआई बलजीत सिंह, एसआई भगवान सिंह, एसआई दया राम, एसआई गोविन्द राम, एसआई गुरेन्द्र सिंह, एसआई जय भगवान, एसआई जवाहर, एसआई कैलाश कोरची, एसआई कृष्ण सिंह, एसआई लीला राम, एसआई नरेश कुमार, एसआई राजपाल, एसआई राज सिंह, एसआई रमेश चन्द्र, एसआई रमेश कुमार, एसआई राम प्रसाद, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई सत्यवान, एसआई शिव कुमार, एसआई सुरेन्द्र कुमार, एसआई सवदेश कुमार, एसआई विजय कुमार, एसआई जिले सिंह, एसआई सुरेन्द्र सिंह, एसआई सुरेश चन्द्र, एसआई अशोक कुमार, एसआई बलबीर सिंह, एसआई बिजेन्द्र सिंह, एसआई ब्रह्म प्रकाश, एसआई जरणजीत लाल, एसआई जयान के.एम., एसआई लाला राम, एसआई रमेश चन्द्र, एसआई राम किशन, एसआई रणधीर सिंह, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई सतीश चन्द्र, एसआई सुभाष चंद, एसआई सुरत सिंह, एसआई राज कुमार, एसआई विजययन सी.बी., हे.का. राजबीर सिंह सागर व हे.का. रामनिवास अंटिल (सुरक्षा), इंस्पेक्टर सुदेश, एसआई बलवान सिंह, एसआई रमेश चन्द्र, महिला एसआई सोनिया तनेजा, एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई प्रमोद कुमार, एसआई ब्रह्म प्रकाश, एसआई भारतन के., एसआई बलजीत सिंह, एसआई रणबीर सिंह, एसआई सुरेन्द्र सिंह, एसआई देशराज, एसआई रमेश चन्द्र, एसआई रमेश कुमार व एसआई रमेश दत्त (यातायात), इंस्पेक्टर अनुराधा रावत व एसआई जगबीर सिंह (पुलिस मुख्यालय)।

माह मई, 2022 में सेवानिवृत्त होने वाले 188 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं:- एसआई लक्ष्मण प्रसाद, एसआई अमर सिंह, एसआई छोटूराम, एसआई जगदीश चन्द्र, एसआई सुबे सिंह, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई अजब सिंह एसआई सतबीर सिंह, एसआई चन्द्र भान यादव, एसआई चांद राम एसआई नफे सिंह, एसआई मदन सिंह तथा हेडकां. भोर अनिल मारुति (यातायात), इंस्पेक्टर निशी सखुजा, एसआई समेराम, एसआई सुभाषचंद, एमटीएस सोहन लाल व एमटीएस देव सिंह (मुख्यालय), एसआई अजीत सिंह, एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई कृष्णनन ए, एसआई सरोज कुमार, एसआई छोटन लाल, एसआई हरीओम, महिला एसआई शशी त्यागी तथा महिला हेडकां. जैसी थॉमस (उत्तर-पश्चिमी जिला), इंस्पेक्टर संवर लाल, एसआई जयभगवान, एसआई जगदीश, एसआई सुभाषचंद्र, एसआई धर्मवीर सिंह, एसआई करण सिंह, एसआई नवाब सिंह, एसआई स्नेह शर्मा (विशेष शाखा) इंस्पेक्टर रामपाल भारद्वाज, महिला इंस्पेक्टर रीना ऑगस्टिन, महिला इंस्पेक्टर शारदा गुलाटी, महिला इंस्पेक्टर किरण बाला, इंस्पेक्टर प्रेम सिंह, इंस्पेक्टर राजबीर, एसआई जोन सी.वी, एसआई जार्ज इब्राहिम, (संचार शाखा), एसआई ओमप्रकाश पंवार, एसआई महेन्द्र कुमार, एसआई रमेश कुमार, एसआई विजेन्द्र कुमार, एसआई बाबू राम, एसआई साजू ई.एन, एसआई वर्गीस एम.आर, एसआई सुभाषचन्द्र कौशिक,

एसआई मानसिंह, एसआई हंसराज, एसआई महेन्द्र सिंह, एसआई सुभाषचंद्र, एसआई विजेन्द्र सिंह, एसआई नंद लाल, महिला एसआई सरोज बाला, एसआई शमशेर सिंह, एसआई ब्रिजपाल, एसआई जॉन मैथ्यू, एसआई राजकुमार, एसआई देवव्रत, एसआई अशोक कुमार, एसआई सुरेश कुमार, एसआई जरनैल सिंह, एसआई श्याम लाल, एसआई श्याम लाल, एसआई राजेन्द्रन वी, एसआई रणधीर सिंह, एसआई जयाचन्द्ररण के.सी (सुरक्षा शाखा), एसआई शशी ए.टी व एमटीएस धर्मपाल सिंह (शाहदरा जिला), एसआई हरीश चन्द्र, एसआई जोगेन्द्र सिंह, एसआई संजीवआया पी.पी., एसआई सत्यपाल सिंह, एसआई सुबे सिंह, एसआई जोस सी.वी., एसआई सोमदत्त, एसआई सत्येन्द्र सिंह व हेडकां. राजे वर दयाल (दक्षिण-पश्चिमी जिला), एसआई महेन्द्र सिंह, महिला एसआई सुमन शर्मा, एसआई रामफल, एसआई अशोक, एसआई देवेन्द्र सिंह, महिला हेडकां. सुधा रानी, हेडकां. धन सिंह (बाहरी जिला), महिला इंस्पेक्टर डोरो थिया अलेक्सो, एसआई देशपाल सिंह, एसआई छतरपाल सिंह, एसआई दलबीर सिंह व एमटीएस कर्मबीर सिंह (उत्तर-पूर्वी जिला), एसआई प्रेम सिंह, एसआई सतबीर सिंह, एसआई दलबीर सिंह, एसआई सत्यनारायण, एसआई बलबीर सिंह, एसआई बलवान सिंह, एसआई प्रेम कुमार, एसआई तेजपाल सिंह, एसआई वेदप्रकाश (पीसीआर) तथा एसआई धर्मबीर सिंह व एसआई सतीश चन्द्र (पश्चिमी जिला), महिला एसआई पुष्पा यादव व एसआई केशवानंद इंस्पेक्टर एसआई जगमिन्दर सिंह व एसआई अजीथ कुमार बी (रेलवे), एसआई इटावा ऑरान, एसआई देवेन्द्र सिंह, एसआई उमेशचन्द्र, एसआई तेजबीर सिंह, एसआई महेश चंद, एसआई चन्द्रपाल (नई दिल्ली जिला), एसआई बलवंत राम व एसआई सुरेश कुमार (पीएंडएल), एसआई केशवानंद,

एसआई नरेश कुमार व एसआई धन सिंह (सातवीं वाहिनी), इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह, एसआई अभिमन्यू सिंह, एसआई आनंद सिंह, एसआई राजबीर सिंह, एसआई धर्मसिंह, एसआई अतर सिंह तथा हेडकां. कुलदीप (बाहरी-उत्तरी जिला), एसआई धर्मबीर सिंह व एसआई बलराज रूहिल (प्रथम वाहिनी), इंस्पेक्टर बिरेन्द्र सिंह, एसआई विजय कुमार, एसआई ओमप्रकाश, एसआई राजेन्द्र कुमार तथा एमटीएस संत कुमार (दक्षिण-पूर्वी जिला), एसआई नरेन्द्र कुमार, हेडकां. पीताम्बर दत्त जोशी, हेडकां. श्याम लाल तथा एमटीएस संसार चंद (मध्य जिला), एसआई नफे सिंह, एसआई राज सिंह व एसआई सुरेन्द्र सिंह (तृतीय वाहिनी), एसआई सुरेन्द्र सिंह (एफआरआरओ), इंस्पेक्टर सुरेश कुमार (आईजीआई एयरपोर्ट), एसआई शिव कुमार, एसआई जोगेन्द्र सिंह, एसआई रोहताश सिंह, एसआई धर्मबीर सिंह, एसआई आजाद सिंह, एसआई रघुबीर सिंह, एसआई सतीश कुमार (द्वारका), एसआई अश्वनी कुमार, एसआई नानक चंद, एसआई कर्मबीर सिंह (राष्ट्रपति भवन), इंस्पेक्टर सीताराम आर्य, एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई दिलबाग सिंह, एसआई दयानंद, एसआई नफेसिंह, एसआई सत्यपाल, एसआई श्रीओम, हेडकां. कर्मबीर सिंह तथा एमटीएस राज सिंह (पुलिस अकादमी, झाड़ौदा कंला), एसआई राज कुमार (सतर्कता शाखा), एसआई जसबीर सिंह, एसआई सुमित्रा देवी, एसआई सितार सिंह, एसआई देवराज, एसआई सुरेश कुमार व हेडकां. अनिल कुमार (रोहिणी जिला), एसआई हरबीर सिंह, एसआई श्रीपाल सिंह व एसआई अनिरुध (पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर योगराज राणा, एसआई राजेन्द्र सिंह व एसआई सिद्धा लिंगप्पा (दक्षिणी जिला), एमटीएस किशन (अपराध शाखा) तथा एसआई योगेन्द्र सिंह (उत्तरी जिला)।

श्रद्धांजलि

माह मार्च, अप्रैल व मई, 2022 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला यूनिटों में तैनात 59 पुलिस कर्मियों की भिन्न-भिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गए अपने इन साथियों को दिल्ली पुलिस परिवार अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है और उनके शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

मार्च माह में 13 दिवंगत साथियों में शामिल हैं:- महिला एसआई रोशनी (स्पेशल सेल), हेडकां. अनिल कुमार (रोहिणी जिला), एसआई नंद लाल व एसआई प्रेम चंद (दक्षिणी जिला), एसआई मुकेश कुमार (पीएंडएल), हेडकां. आजाद सिंह, हेडकां. विनोद पासवान व कां. अश्वनी कुमार (मध्य जिला), कां. मनोज कुमार (पांचवी वाहिनी), एसआई नरेश कुमार (नई दिल्ली जिला), एसआई शीश राम (पश्चिमी जिला), एसआई प्रीतम सिंह (उत्तर-पूर्वी जिला), हेडकां. मुकेश कुमार (पीसीआर) तथा एसआई महावीर सिंह (द्वारका जिला)।

अप्रैल माह में 26 दिवंगत साथियों में शामिल हैं:- एसआई रामकरण कौशिक, हेडकां. संपत राम तथा कां. अमित सिंह (सुरक्षा शाखा), एसआई विरेन्द्र, एसआई विरेन्द्र सिंह तथा हेडकां. रविन्द्र सिंह (बाहरी उत्तरी जिला), एसआई राकेश कुमार (संचार शाखा), एसआई लेगनू ऑरान (उत्तरी जिला), महिला एसआई मंजू रावत (मैट्रो), हेडकां. फूल सिंह (सातवीं वाहिनी), हेडकां. यतेन्द्र कुमार (शाहदरा जिला), हेडकां. जसविन्दर सिंह (अपराध शाखा), हेडकां. जितेन्द्र कुमार (पांचवीं वाहिनी), हेडकां. मूलचंद (उत्तर-पश्चिमी जिला), कां. संदीप (नई दिल्ली जिला), हेडकां. गोविन्द सिंह (दक्षिण-पूर्वी जिला), कां. जगदीश कुमार (रोहिणी जिला), एसआई सुरेन्द्र कुमार, हेडकां. सुभाष सिंह तथा हेडकां. हरेन्द्र सिंह (पीसीआर), एसआई उमेद सिंह (तृतीय वाहिनी), एसआई प्रवीण कुमार व एसआई श्याम सुन्दर (उत्तर-पूर्वी जिला), हेडकां. हरदेव सिंह व एमटीएस लडूराम (पश्चिमी जिला), कां. रुम कमल (पुलिस मुख्यालय)।

मई माह में दिवंगत 20 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं:- एसआई सत्यवान, हेडकां. सुरेश, हेडकां. प्रदीप कुमार, कां. राहुल शर्मा व कां. अमित कुमार (यातायात), हेडकां. मनोज कुमार (स्पेशल सेल), एसआई मीर सिंह (उत्तर-पश्चिमी जिला), एमटीएस सुनील कुमार (दक्षिण-पूर्वी जिला), एसआई कृष्ण कुमार (छट्टी वाहिनी), हेडकां. राजा रंजन झा (तृतीय वाहिनी), एसआई सुरेश कुमार (द्वारका जिला), हेडकां. प्रभाकर झा, कां. रघुबीर सिंह मूंद तथा एमटीएस रामकिशन (दक्षिणी जिला), एसआई कुशाल सिंह तथा कां. विजय कुमार (सुरक्षा), हेडकां. ललित कुमार (दक्षिण-पश्चिमी जिला), हेडकां. दीगेन्द्र कुमार (उत्तर-पूर्वी जिला) तथा हेडकां. प्रदीप कुमार (पश्चिमी जिला)।

दिल्ली पुलिस

शांति सेवा न्याय

स्कूल/कॉलेज की लड़कियों, कामकाजी महिलाओं और गृहणियों को सशक्त और सुरक्षित करने के लिए दिल्ली पुलिस का प्रयास

सशक्त आत्मरक्षा ग्रीष्मकालीन कैम्प 2022

16-27 जून | प्रातः 9.00 बजे से प्रातः 11.00 बजे तक

पंजीकरण के लिए delhipolice.gov.in पर लॉगइन करें

या अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन से सम्पर्क करें।

पंजीकरण 11 जून तक खुला है

“सशक्त – महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में दिल्ली पुलिस का एक और कदम”

राकेश अस्थाना
पुलिस आयुक्त, दिल्ली
का

पोंडकारद सुनने के लिए
स्कैन करें



@DelhiPolice

द्वारका जिला	उत्तर पश्चिम जिला	उत्तर पश्चिम जिला	शाहदरा जिला	दक्षिण जिला
ग्रीन व्यू पब्लिक स्कूल द्वारका विहार (नजदीक सैक्टर-16बी, द्वारका) ककरोला रोड नजफगढ़ नई दिल्ली	दरबारी लाल डीएवी मॉडल स्कूल बीएन ब्लॉक शालीमार बाग नई दिल्ली	सावन कृपाल रुहानी मिशन कृपाल बाग संत कृपाल सिंह मार्ग गुजरावाला टाउन-3 दिल्ली	ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल दिलशाद गार्डन नई दिल्ली	बिरला विद्या निकेतन सैक्टर IV पुष्प विहार नई दिल्ली

महिलाओं के लिए हमारे विशेष कदम

विशेष
महिला
हेल्पलाइन



1091

7835075012

आपातकालीन
सहायता के लिए
हिम्मत प्लस ऐप



पुलिस थानों में
24x7 महिला
हेल्प डेस्क



महिला
पीसीआर



पुलिस को अपराध की
आसानी से सूचना देने
के लिए पिक बूथ



2025 तक पुलिस बल
में 25% महिलाएं होने
के लिए प्रतिबद्ध



रजिस्टर करने के लिए
स्कैन करें



विस्तृत जानकारी के लिए
कॉल करें

011-20865499

आत्मरक्षा कैम्प निःशुल्क है

कस्टमाइज्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए स्कूल एवं संस्थान
dcp.spuwc@delhipolice.gov.in पर लिख सकते हैं

@DelhiPoliceOfficial

@DelhiPolice

@delhi.police_official

@DelhiPolice

तुरंत पुलिस सहायता के लिए कॉल करें - 112

पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें - 1090

DP/9334/2022



सम्पादक

सम्पादक : रोमिल बानिया, अति.आयुक्त पुलिस (पुलिस आयुक्त के ओएसडी)

सह-सम्पादक : निरीक्षक सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।

✉ : cp.rakeshasthana@delhipolice.gov.in

📞 : @delhipolice

🌐 : www.delhipolice.nic.in

सह-सम्पादक

